भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

25 फरवरी - 3 मार्च, 2026

jagrukjanta.net

फाल्गुन, पक्ष - शुक्ल, तिथि - नवमी , संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-52, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

कार्ड बनवाने और केवाईसी करवाने में ही उलझ कर रह गया आमआदमी!

सटीक

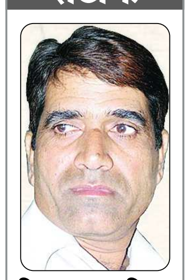

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

आम आदमी को रोजी-रोटी कमाने से ही फुर्सत नहीं मिलती है। बेचारा सुबह जाकर शाम को दिनभर के काम से थका हारा जब घर लौटता है तो पता चलता है कि राशन की दुकान पर कहा गया है कि केवाईसी करवाओ, वरना गेहूं नहीं मिलेंगे। बेचारा एक दिन की मजदूरी खोटी कर राशन की दुकान पर जाता है सब परिवार को लेकर केवाईसी कराने। पता चलता है कि आज राशन की दुकान खोली ही नहीं है। माथा पीटता बड़बड़ाता घर आता है। केवाईसी भी नहीं हुई और मजदूरी भी गई। ऐसे ही न जाने कितने काम हैं जिनके कार्ड बनवाने, उनमें करेक्शन करवाना, इसी में उलझा रहता है। दिमाग में चैन आता ही नहीं है। एक के बाद एक कार्ड अपडेट कराने के लिए तैयार रहते हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन वालों को देखो, उन्हें जीवित होने का प्रमाण देते फिरो। अरे भाई, जब नगर निगम में व्यवस्था है कि जन्म और मृत्यु की सूचना वहां दी जाती है तो फिर वहां से ही आधार-कार्ड से जिंदा होने का प्रमाण भी मिल जाएगा। क्यों गरीब आदमी को परेशान किया जाता है। इसी तरह कार्डों की लाइन लगी हुई है। आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, हरे कार्ड, पीले कार्ड, लाल कार्ड, पेन कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस कार्ड, गाड़ी की आर.सी., गैस के भी कार्ड मिलने लगे हैं। वोटर आई डी कार्ड, एटीएम कार्ड, आई कार्ड और भी जाने कितने कार्ड हैं। कहां-कहां तक संभाल कर रखें इन कार्डों को। फिर इनमें से कईयों के पासवर्ड याद रखो। मोबाइल से जोड़ो। कहने का मतलब है कि कार्ड ही कार्ड। चारों तरफ एक-एक आदमी के पास कितने ही कार्ड हो गए। उन्हें संभालना। पूरे परिवार के अगर कार्डों को देखो तो एक मोटी सी थप्पी लग जाती है। फिर उनके अपडेट कराओ। पता नहीं सरकार ने क्यों इन कार्डों के झमेले में उलझा दिया है आम आदमी को। ठीक है एक कार्ड बन गया आधार कार्ड। उसमें सब जोड़ते जाओ। ढेरों कार्डों का झंझट ही खत्म। आराम से सब काम हो सकते हैं। मगर, क्या करें उलझे ही रहना है सरकारी कार्डों के मायाजाल में।

shivdayalmishra@gmail.com

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने दाखिल की अग्रिम जमानत याचिका

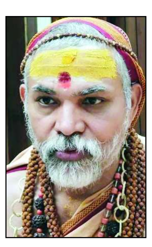

प्रयागराज @ जागरूक जनता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने अधिवक्ता राजर्षि गुप्ता, सुधांशु कुमार और प्रकाश के माध्यम से उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। याचिका पर शीघ्र सुनवाई होने की संभावना है। गौरतलब है कि तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 173(4) के तहत जिला अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। इस पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (रेप एवं पॉक्सो स्पेशल कोर्ट) विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी थाने की पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्कर में हनुमंत कथा का किया श्रवण

युवाओं में सनातन संस्कृति की समझ गहरी हो रही है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। तीर्थराज पुष्कर में आयोजित तीन दिवसीय हनुमंत कथा में मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सहभागिता करते हुए बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पं. श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का अभिनंदन किया। उन्होंने कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण करते हुए कहा कि तीर्थराज पुष्कर में इस प्रकार का आध्यात्मिक आयोजन सनातन संस्कृति की ज्योति को प्रज्ज्वलित करने का कार्य कर रहा है और विशेष रूप से युवाओं के मन में भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों की गहरी समझ विकसित कर रहा है। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में नैतिक मूल्यों, राष्ट्रभावना और सांस्कृतिक गौरव का सुदृढ़ीकरण होता है। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ब्रह्मा मंदिर में विधि-विधान से की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पुष्कर स्थित विश्वविख्यात ब्रह्मा मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुष्कर की पावन धरा आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और सनातन आस्था का अद्वितीय संगम है। जगतपिता ब्रह्मा मंदिर विश्वभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है और यह स्थल आस्था का केंद्र होने के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक गौरवगाथा का भी प्रतीक है। उन्होंने पुष्कर की भौगोलिक एवं आध्यात्मिक विशिष्टता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नगरी केवल आस्था का केंद्र ही नहीं बल्कि अद्वितीय प्राकृतिक संरचना का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पुष्कर, गिरिराज जी, खाटूश्याम जी और बालाजी सहित अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों के समग्र एवं सुनियोजित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इससे श्रद्धालुओं को अधिक सुविधाजनक एवं व्यवस्थित तीर्थाटन का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत एवं सनातन परंपराओं के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

खाटूश्यामजी मंदिर में आस्था के साथ संवेदनशीलता का संगम

दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए राजस्थान पुलिस की विशेष मानवीय पहल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सीकर जिले के विश्वप्रसिद्ध खाटूश्यामजी फाल्गुनी लक्खी मेले में उमड़ रही अपार भीड़ के बीच राजस्थान पुलिस ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी श्रद्धालु, विशेषकर दिव्यांगजन, अपने आराध्य के दर्शन से वंचित न रहे। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की मंशाओं के अनुरूप मेले में दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि पार्किंग स्थल पर पहुंचने वाले दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए पुलिस द्वारा विशेष वाहन की व्यवस्था की गई है। यह वाहन उन्हें सीधे दर्शन केंद्र तक पहुंचाता है। वहां व्हीलचेयर से पुलिसकर्मी स्वयं उन्हें सम्मानपूर्वक और सुरक्षित तरीके से बाबा श्याम के दर्शन करवाते हैं। पिछले चार दिनों में दर्जनों श्रद्धालुओं को इस प्रकार की सेवाएं दी गयी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 28 फरवरी को प्रस्तावित अजमेर यात्रा

राजस्थान को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात, युवाओं को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

एचपीवी वैक्सीन की होगी लॉन्चिंग

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अजमेर पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 28 फरवरी को प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। शर्मा ने सभा स्थल कायड़ विश्राम स्थली का अवलोकन किया और उच्च अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने आयोजन स्थल पर आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, यातायात, सुरक्षा सहित

अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि यातायात सुचारू रहने के साथ पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस मौके पर राजस्थान को विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास की सौगातें देंगे। इस दौरान एचपीवी वैक्सीन की लॉन्चिंग भी की जाएगी। साथ ही, बड़ी संख्या में युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियों को समय पर पूरा किया जाए। इस दौरान केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

नई पीढ़ी कर पायेगी दीदार

33 साल बाद राजस्थान लौटा भाप इंजन, बुजुर्गों की ताजा हुईं यादें

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/दौसा। रेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय लिखने वाली रेलनगरी बांदीकुई एक बार फिर अपने अतीत से रूबरू हुई है। करीब 33 वर्ष बाद भाप के इंजन की यादें ताजा हो गईं, जब दक्षिण रेलवे की गोल्डन रॉक वर्कशॉप, तिरूचिरापल्ली (तमिलनाडु) से नैरो गेज क्लास-बी का स्टीम लोकोमोटिव यहां पहुंचा। 11.43 टन वजनी इस इंजन को जीआरपी थाने के बाहर स्थापित किया गया है, जो अब शहर के लिए आकर्षण का नया केंद्र बन गया है। इंजन को ट्रेलर के जरिए तमिलनाडु से कई दिनों की यात्रा के बाद बांदीकुई लाया गया। दो क्रेनों की मदद से इसे विशेष रूप से तैयार फाउंडेशन पर स्थापित किया गया। इसके आसपास गार्डन और सौंदर्यीकरण कार्य भी किया जाएगा। रात में विशेष लाइटिंग से इसे और भव्य बनाया जाएगा। भाप इंजन को देखने के लिए लोगों में उत्साह है। बुजुर्ग अपने बचपन की रेल यात्राओं को याद कर रहे हैं, वहीं युवा पीढ़ी इतिहास से साक्षात्कार कर रही है।

152 वर्ष पुराना गौरव

प्रदेश की पहली ट्रेन 20 अप्रेल 1874 को आगरा से बांदीकुई के बीच चली थी। भाप के इंजनों की सीटी और धुएं के साथ शुरू हुआ यह सफर राजस्थान में रेलवे विस्तार की नींव बना। वर्ष 1993 तक भाप व डीजल इंजनों का संचालन होता रहा। बाद में आमान परिवर्तन और विद्युतीकरण के साथ तकनीक बदली, लेकिन भाप इंजन की स्मृतियां आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

विधायक भागचन्द सैनी टांकड़ा के प्रयास

रेल विरासत को सहेजने के लिए विधायक भागचन्द सैनी टांकड़ा ने रेलमंत्री और रेलवे अधिकारियों से कई दौर की वार्ता की। उन्होंने इंजन स्थापना और रेल म्यूजियम की मांग उठाई। उनका कहना है कि बांदीकुई के पुराने वैभव को लौटाने के प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

कभी गूंजती थी सीटी और हथौड़ों की आवाज

बांदीकुई केवल जंक्शन नहीं, बल्कि लोको शेड के कारण भी प्रसिद्ध रहा। यहां इंजनों की मरम्मत होती थी और बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी कार्यरत थे। वर्ष 1999 में लोको शेड बंद होने के साथ एक युग का अंत हो गया।

फैक्ट फाइल

» 1874- आगरा-बांदीकुई के बीच प्रदेश की पहली ट्रेन
» 1993- भाप इंजनों का संचालन लगभग समाप्त
» 1999- लोको शेड बंद

इंजन की तकनीकी विशेषताएं

» वजन- 11.43 टन
» शक्ति- 335 हॉर्स पावर
» पानी क्षमता- 1818 लीटर
» कोयला क्षमता- 1.5 टन
» लंबाई- 5878 मिमी
» ऊंचाई-2559 मिमी

मेडिकल बोर्ड से प्रमाणित असमर्थ कार्मिकों के आश्रितों को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.ne

जयपुर। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार राजकीय कार्मिकों के हितों के लिए पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। बजट 2026-27 में कार्मिकों के लिए घोषणाएं की गई हैं। इनमें 'राजकीय कार्मिक नौकरी करने में किसी कारणवश पूर्ण रूप से असमर्थ हो जाता है और मेडिकल बोर्ड उसे प्रमाणित करता है तो राज्य सरकार नए नियम बनाकर उसके पात्र आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति देगी। शून्य काल के दौरान विधि एवं विधिक कार्य मंत्री ने विधायक अमित चाचाण द्वारा लाए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में पुलिस कॉन्स्टेबल सुभाष ड्यूटी के दौरान अस्वस्थ हो गए थे, वे अब भी कोमा में हैं।

मुख्यमंत्री ने दी बार एसोसिएशन जयपुर के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

अधिवक्ता मौलिक अधिकारों के रक्षक, लोकतंत्र के प्रहरी-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिवक्ता कानून की कठिन भाषा को सरल बनाकर समाज को न्याय दिलाने वाले सेतु हैं। जब कोई आम आदमी किसी मुसीबत में होता है, तो वह न्याय की आस लेकर सबसे पहले अधिवक्ता के पास ही जाता है। इसलिए उन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कार्य करना चाहिए।

शर्मा बनीपार्क स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में दी बार एसोसिएशन जयपुर के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के तीन प्रमुख स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका अपनी-अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाते हुए एक-दूसरे के साथ संतुलन बनाए रखते हैं, तभी एक स्वस्थ और जीवंत लोकतंत्र का निर्माण होता है। अधिवक्ता न्यायपालिका के साथ मिलकर उस संतुलन को बनाए रखने में सहयोग करते हैं और संविधान एवं मौलिक अधिकारों के रक्षक तथा लोकतंत्र के प्रहरी की भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवक्ता समाज को न्याय दिलाने के साथ ही आमजन को कर्तव्यबोध भी कराते हैं। उनको भारत को उत्कृष्ट बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार सभी को न्याय प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। त्वरित न्याय के बिना विकास अधूरा है। प्रदेश में तीन नए कानून को जमीनी स्तर पर लागू किया जा रहा है। इन नए कानूनों के माध्यम से राजस्थान सबसे तीव्र गति से न्याय पहुंचाने वाले राज्यों में से एक बन गया है। इस दौरान नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, विधायक गोपाल शर्मा, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन, न्यायाधीश मनीष शर्मा, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चैयरमेन भुवनेश शर्मा, दी बार एसोसिएशन जयपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोमेश चन्द शर्मा सहित बार एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्तागण मौजूद रहे।

बौद्धिक विमर्श, नैतिक अनुशासन और सामूहिक शक्ति का केंद्र

शर्मा ने बार एसोसिएशन की नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि दी बार एसोसिएशन जयपुर विधि की परंपरा, अनुशासन, तर्क की परिपक्वता और बौद्धिक उत्कृष्टता का केन्द्र रही है। बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं को न केवल पेशेवर मंच प्रदान करता है, बल्कि बौद्धिक विमर्श, नैतिक अनुशासन और सामूहिक शक्ति का भी केंद्र है। उन्होंने कहा कि यह संस्था विधिक सुधारों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती है।

ई-कोर्ट प्रणाली, डिजिटल फाइलिंग को दिया बढ़ावा-

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 42 नए न्यायालय स्थापित किए गए हैं। फलौदी, खैरथल-तिजारा सहित कुल 8 जिला एवं सेशन न्यायालयों का सृजन किया गया है। बड़ी सादड़ी एवं केशोरायपाटन कैम्प कोर्ट के स्थान पर नियमित अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायालय, हनुमानगढ़, सवाई माधोपुर, चुरू, बीकानेर एवं जोधपुर में विशेष (पॉक्सो एक्ट) न्यायालय, झुंझुनू में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (एन.आई. एक्ट) न्यायालय तथा पहाडी (डीग) एवं खैरथल-तिजारा में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय का सृजन किया गया है। लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु विशेष अदालतों एवं फास्ट ट्रैक तंत्र को अधिक सशक्त किया जा रहा है। साथ ही, ई-कोर्ट प्रणाली, डिजिटल फाइलिंग और तकनीकी आधुनिकीकरण को भी बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की न्यायसंगत मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने जिला बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

मेडिकल बोर्ड से प्रमाणित असमर्थ कार्मिकों के आश्रितों को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार राजकीय कार्मिकों के हितों के लिए पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। बजट 2026-27 में कार्मिकों के लिए घोषणाएं की गई हैं। इनमें 'राजकीय कार्मिक नौकरी करने में किसी कारणवश पूर्ण रूप से असमर्थ हो जाता है और मेडिकल बोर्ड उसे प्रमाणित करता है तो राज्य सरकार नए नियम बनाकर उसके पात्र आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति देगी। शून्य काल के दौरान विधि एवं विधिक कार्य मंत्री ने विधायक अमित चाचाण द्वारा लाए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में एक पुलिस कॉन्स्टेबल श्री सुभाष ड्यूटी के दौरान अस्वस्थ हो गए थे, वे अभी तक कोमा में हैं। पटेल ने कहा कि कार्मिक के परिवारजनों ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था, लेकिन उस समय में इस तरह के मामले में नियुक्ति देने संबंधी नियम नहीं थे। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि पात्र आश्रित व्यक्ति अनुकंपा नियुक्ति के लिए पुनः आवेदन करें। राज्य सरकार आश्रित को नियुक्ति देने का पूर्ण प्रयास करेगी।

प्रदेश में कोई भी पात्र व्यक्ति खाद्य सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित नहीं रहेगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने विधानसभा में कहा कि प्रदेश में सभी पात्र आवेदनकर्ताओं को खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि खाद्य सुरक्षा पोर्टल 26 जनवरी 2025 को खोला गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक रामस्वरूप लाम्बा द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र द्वारा सीलिंग सीमा 4,46,61,960 निर्धारित की गई है। इस सीमा अनुसार उपलब्ध रिक्त स्थानों के विरुद्ध वंचितपात्र लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल किये जाने हेतु कार्यवाही जारी है। इससे पहले सदस्य लाम्बा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत नवीन अथवा वंचित पात्र एवं जरूरतमन्द परिवार, व्यक्तियों का नाम खाद्य सुरक्षा योजना में जोड़ने हेतु 26 जनवरी 2025 से पोर्टल खोला गया है। तत्पश्चात् विस क्षेत्र नसीराबाद में 12 फरवरी 2026 तक ब्लॉक/नगरपालिका में कुल 3,457 आवेदन प्राप्त हुये, जिनमें से 2,437 आवेदन स्वीकार किए गये तथा 137 आवेदन निरस्त किए गये। गोदारा ने कहा कि योजना में नाम जोड़ने हेतु निर्धारित मापदण्ड "राजस्थान खाद्य सुरक्षा नियम, 2023 की अनुसूची-1" में निष्कासन मानदण्डों के अन्तर्गत होने एवं समावेशन श्रेणी के दस्तावेजों के अभाव में आवेदन निरस्त किए गये।

"ग्राम संसद" कार्यक्रम में राज्यपाल ने सम्बोधित किया

सरपंच गाँव के विकास कार्यकर्ता के साथ भारत विकास के संवाहक बने

सरपंच गाँव के सुख दुख के सहभागी ही नहीं वहां के विकास के सच्चे भागीरथ बने

सुनियोजित योजना बनाकर हो गांवों का विकास-राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सरपंच गाँव के विकास कार्यकर्ता के साथ भारत विकास के संवाहक बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान धर्म धरा है। यहां गौपालन की परम्परा गांव - गांव है। नंदी संरक्षण के लिए भी अब काम होना चाहिए। उन्होंने गांवों का विकास सुनियोजित योजना बनाकर किए जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने सरपंचों को गांवों में विद्यालय और सार्वजनिक स्थलों के भवनों की स्थिति पर निगरानी रखने, गांवों के विद्यालयों के प्रभावी संचालन और बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिये जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों की बौद्धिक क्षमता निर्माण की नींव है। इस पर सभी स्तरों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए। उन्होंने गांवों में बच्चों का आत्मविश्वास जगाने और उन्हें सिविल सेवाओं और उच्च पदों की परीक्षाओं के लिए आरम्भ से ही मन से तैयार किए जाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल बागडे एक निजी होटल में ग्राम संसद कार्यक्रम में सरपंच संवाद में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरपंच गाँव के सुख - दुख के सहभागी ही नहीं वहां के विकास के सच्चे भागीरथ बने। गाँव विकास के लिए ग्राम पंचायतें इस बात का ख्याल रखें कि जिन्हें आवश्यकता है, जो वंचित और पिछड़े हैं, उन्हें सही मायने में उनका लाभ मिले। उन्होंने सरपंचों को गांवों में जल, विद्युत आदि की सर्वसुलभता सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध होकर कार्य किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान को इस बात का गौरव है कि देश में यहां सबसे पहले पंचायत राज व्यवस्था नागौर के एक गांव से प्रारंभ हुई। उन्होंने पंचायतराज व्यवस्था को ग्राम लोकतंत्रीकरण के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजस्थान में जब भैरोंसिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे तो गांवों के विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं की पहल की। उन्होंने कहा कि सरपंच गांव विकास की सशक्त कड़ी है। सरपंच गाँवों में मार्ग खुलवाने, सड़क निर्माण, आवास और "हर घर जल" के अंतर्गत निरंतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने "हर घर जल" की योजना की ऐतिहासिक पहल इसलिए की है कि गांव के हर घर में पानी पहुंच सके।

राज्यपाल ने पिपलांत्री पंचायत समिति में बच्चियों के जन्म लेने पर पेड़ लगाने की चर्चा करते हुए कहा कि इस तरह से एक करोड़ पेड़ किसी सरपंच द्वारा लगाना और लगने के बाद उनका संरक्षण प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आज भारत में 2 लाख 55 हजार ग्राम पंचायतें हैं। राजस्थान में 11 हजार 266 ग्राम पंचायतें हैं। इन सबका विकास यदि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनेगी तभी भारत तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने गांव के लोगों के प्रति श्रद्धा रखकर सरपंचों को काम करने का आह्वान किया।

चेन्नई-जोधपुर सुपरफास्ट अब चलेगी रोजाना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जालोर-सिरोही क्षेत्र के हजारों प्रवासियों के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चेन्नई-जालोर-भगत की कोठी (जोधपुर) सुपरफास्ट एक्सप्रेस (20625/26) को अब सप्ताह में पांच दिन की बजाय रोजाना चलाने की घोषणा की है। जयपुर। दक्षिण भारत में रहने वाले जालोर-सिरोही क्षेत्र के हजारों प्रवासियों के लिए रेल मंत्रालय ने खुशियों का पिटारा खोल दिया है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चेन्नई-जालोर-भगत की कोठी (जोधपुर) सुपरफास्ट एक्सप्रेस (20625/26) को अब सप्ताह में पांच दिन के बजाय प्रतिदिन चलाने की बड़ी घोषणा की है।

यह महत्वपूर्ण घोषणा चेन्नई में आयोजित 'सुंधा माता भगत मंडल' के होली स्नेह मिलन समारोह के दौरान की गई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रवासियों को संबोधित करते हुए बताया कि अगले 45 दिनों के भीतर इस ट्रेन को सप्ताह के सातों दिन संचालित कर दिया जाएगा। प्रवासियों और स्थानीय यात्रियों द्वारा लंबे समय से इस ट्रेन को डेली करने की मांग उठाई जा रही थी।

कलाकारों के मस्ती भरे अंदाज में सुनाए गीतों पर झूमें श्रोता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के कई सिंगर्स ने अपनी सुरीली आवाज में सदाबहार बॉलीवुड गीतों को दिलकश अंदाज में पेश कर होली पर्व के इन्द्रधनुषी रंगों से सुधी श्रोताओं को सराबोर किया। मौका था कल्चरल सोसायटी ऑफ राजस्थान की ओर से रविवार को महाराणा प्रताप सभागार में संजोए म्यूजिकल सांस्कृतिक कार्यक्रम रस रंग बरसे का। राजेन्द्र परनामी परिकल्पित इस सांस्कृतिक सांझ में कलाकारों ने बॉलीवुड संगीत के सोलो और डुएट सॉन्ग्स की सलोनी प्रस्तुति से आनंदित किया। होली पर्व को लेकर बने सदाबहार फिल्मी गीतों को कलाकारों ने मस्ती भरे ठेठ अंदाज में मीठे तरन्नुम में सुनाए तो समूचा सभागार झूम उठा। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कलाकारों के संग श्रोताओं ने भी खूब ताल से ताल मिलाई। इससे पहले दीप प्रज्वलन में संस्था प्रेसिडेंट एसएस भूतरा, एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट डॉ.एलसी भारतीय और जनरल सेक्रेटरी सुरेश त्रिवेदी समेत गणमान्य लोग मौजूद रहे।

देवस्थान विभाग द्वारा प्रबंधित सभी मंदिर आमजन के दर्शनों के लिए खुले हैं - देवस्थान मंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि देवस्थान विभाग द्वारा 938 मंदिरों को प्रबंधित एवं नियंत्रित किया जाता है। ये सभी राजकीय मंदिर एवं देवालय आमजन के दर्शनों के लिए खुले हैं। उन्होंने कहा कि गत दो वर्ष से कोई मंदिर बंद नहीं है।

देवस्थान मंत्री कुमावत प्रश्नकाल के दौरान सदस्य श्रीचन्द कृपलानी द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा के मांडल में स्थित देवनारायण मंदिर देवस्थान विभाग के अधीन नहीं है। मंदिर को रिसीवरी में लेने के बाद यहां सुरक्षा की दृष्टि से दीवार ऊंची कर गेट पर ताला लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक वाद भीलवाड़ा के न्यायालय में लंबित है, जिसकी प्रथम सुनवाई 16 मई 2024 को हुई है। इस मामले में अगली सुनवाई 10 मार्च 2026 को होगी। इस प्रकरण में अब तक 16 बार सुनवाई हो चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकरण में राज्य सरकार कोर्ट के निर्णय की पालना करेगी। मंत्री कुमावत ने बताया कि देवस्थान विभाग के अंतर्गत राजकीय प्रत्यक्ष श्रेणी के 390, आत्मनिर्भर श्रेणी के 203 तथा सुपुर्द श्रेणी के 343 मंदिर हैं। इसी प्रकार मंदिर मंडल अधिनियम के अंतर्गत, टेंपल बोर्ड के 2 मंदिर हैं। इन सभी मंदिरों का नियंत्रण, व्यवस्था, जिर्णोद्धार आदि कार्य विभाग द्वारा किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि अन्य मंदिरों में यह कार्य संस्थाओं, ट्रस्ट अथवा स्थानीय निवासियों द्वारा सामूहिक रूप से किए जाते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि देवस्थान विभाग द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित कोई भी राजकीय मंदिर/देवालय बंद नहीं है।

5 को आमेर महल आधे दिन बाद जनता के लिए बंद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आमेर महल 5 मार्च को दोपहर के बाद आम पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाएगा। जयपुर में ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक होगी। इसके बाद आमेर महल के भ्रमण और गाला डिनर का कार्यक्रम है। इसकी वजह से निर्णय लिया गया है। प्रशासन ने बताया की सुरक्षा कारणों और उच्चस्तरीय व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए आम पर्यटकों की एंट्री नहीं होगी। सुबह पर्यटक भ्रमण कर सकते हैं।

गाला डिनर का आयोजन

आमेर महल के अधीक्षक डॉ. राकेश छोलक ने बताया कि BRICS देशों के प्रतिनिधि आमेर महल का भ्रमण करेंगे। इसके बाद ऐतिहासिक प्रांगण में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और गाला डिनर होगा। कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो गई है। महल परिसर को विशेष रूप से सजाया जा रहा है।

साउंड एंड लाइट शो भी रद्द

आमेर महल में रोज आयोजित होने वाला लोकप्रिय साउंड एंड लाइट शो भी 5 मार्च को आयोजित नहीं किया जाएगा। हजारों पर्यटकों को आकर्षित करने वाला यह शो एक दिन के लिए स्थगित रहेगा। प्रशासन ने पर्यटकों से पहले जानकारी लेकर अपनी यात्रा की योजना बनाने की अपील की है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

BRICS देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाया जा रहा है। आमेर महल में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। प्रवेश द्वारों पर सघन जांच की जाएगी। आसपास के क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में आंशिक बदलाव संभव हो सकता है. ड्रोन और अन्य तकनीकी निगरानी उपकरणों से निगरानी की जाएगी. स्थानीय प्रशासन, पुलिस और पर्यटन विभाग के अधिकारी बैठकें करके तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं।

सुबह कर सकेंगे भ्रमण

आमेर महल अधीक्षक डॉ. राकेश छोलक ने बताया कि 5 मार्च को सुबह के समय आमेर महल आम दिनों की तरह पर्यटकों के लिए खुला रहेगा। दोपहर बाद एंट्री पूरी तरह से बंद कर दी जाएगी। प्रशासन ने पर्यटकों, ट्रैवल एजेंसियों और गाइड्स को पूर्व सूचना जारी कर दी है।

संचार कौशल पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उद्यानिकी महाविद्यालय ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, के सहयोग से 18 से 24 फरवरी, तक 'पाठ्यक्रम से करियर तक व्यावसायिक सफलता के लिए संचार कौशल' विषय पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एसकेएनएयू जोबनेर के माननीय कुलपति प्रोफेसर पुष्पेंद्र सिंह चौहान उपस्थित थे। समापन सत्र में एसकेएनयू जोबनेर के शिक्षा निदेशक प्रोफेसर राकेश सम्मौरिया विशिष्ट अतिथि और झिलाई स्थित कृषि महाविद्यालय की डीन प्रोफेसर आर एस मीना विशेष अतिथि थे। उद्घाटन और समापन सत्र के मुख्य वक्ता जेएनयू दिल्ली की भाषाविज्ञान की पूर्व प्रोफेसर और डीन प्रोफेसर वैष्णा नारंग और भाषाविज्ञान के प्रोफेसर प्रदीप कुमार दास थे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भारती शोकीन और डॉ. संदेशा रायपा ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रथम वर्ष से ही अधिक संसाधन संपन्न, कुशल और रोजगार योग्य बनाना है। कार्यक्रम के दौरान, रिज्यूमे लेखन, समूह चर्चा, नौकरी के साक्षात्कार, वाद-विवाद, तात्कालिक व सार्वजनिक भाषण और भय पर नियंत्रण पाना, नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, प्रस्तुति कौशल, संभावित नियोक्ताओं की अपेक्षाएं और कार्यस्थल पर संचार आदि जैसे विषयों पर संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए।

जयपुर में भी शुरू होगी सरकारी कैब 'भारत टैक्सी' की सुविधा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी में अगले महीने से 'भारत टैक्सी' सेवा शुरू होगी। सहकारिता मंत्री गौतम दक ने विभाग की अनुदान मांगों पर बहस का जवाब देते हुए घोषणा की। उन्होंने कहा कि मार्च-अप्रैल से राजधानी जयपुर में दिल्ली की तर्ज पर 'भारत टैक्सी' सेवा की शुरूआत की जाएगी। इस सेवा के माध्यम से ड्राइवरों को पूरा भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं, आम नागरिकों को किफायती दरों पर यात्रा की सुविधा मिलेगी।

उदयपुर में शुरू हुई थी 'टॉप अप राइड'

मंत्री ने बताया कि करीब सालभर पहले उदयपुर में 'टॉप अप राइड' सेवा शुरू की गई थी, जिसके तहत 350 रुपए में पर्यटकों को यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अब इसी मॉडल को आगे बढ़ाते हुए जयपुर में 'भारत टैक्सी' सेवा शुरू की जाएगी।

सहकारी समिति देगी पेट्रोल पंप-गैस एजेंसी के लाइसेंस

मंत्री गौतम दक ने कहा, "केंद्र सरकार की नई पहल के तहत सहकारी समितियों को पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी के लाइसेंस प्रदान किए जाएंगे। इससे समितियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी. सहकारी समितियों में अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई की गई है। समर्थन मूल्य खरीद में गड़बड़ी करने वाले पटवारियों को निलंबित किया गया है।"

खाली पदों पर जल्द भर्ती

सहकारिता मंत्री ने कहा कि विभाग में खाली पदों को जल्द भरा जाएगा, ताकि व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। साथ ही, सहकारी समितियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आमसभा आयोजित करना अनिवार्य किया गया है। इन आम सभाओं में विधायकों को भी अपने प्रतिनिधि भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्यपाल से बिहार के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह ने मुलाकात की

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को लोकभवन में बिहार के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री संजय कुमार सिंह ने मुलाकात की। राज्यपाल बागडे से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

उच्च शिक्षा विभाग की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित-बैरवा

उच्च शिक्षा विस्तार से उत्कृष्टता की ओर अग्रसर

10 विश्वविद्यालयों से जारी डिग्रियों की जांच कर रहे हैं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार उच्च शिक्षा विस्तार के लिए योजनाबद्ध कार्य कर रही हैं। दो वर्षों में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों से उच्च शिक्षा में हमारा प्रदेश अब उत्कृष्टता की ओर से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पं. दीन दयाल उपाध्याय और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के आदर्शों पर चलकर शिक्षा को अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। डॉ. बैरवा विधानसभा में उच्च शिक्षा विभाग की (मांग संख्या-22) अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने उच्च शिक्षा विभाग की 25 अरब 92 करोड़ 58 लाख 88 हजार रूपए की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दीं।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्षों में 71 नए महाविद्यालय खोले हैं। साथ ही, 17 स्नातक स्तर महाविद्यालय को स्नातकोत्तर महाविद्यालय में क्रमोन्नत किया है जबकि विगत सरकार में सिर्फ 12 ही हुए थे। प्रदेश के 10 महाविद्यालयों का नाम भामाशाह और शहीदों के नाम से किया गया है। वर्तमान राज्य सरकार द्वारा दो वर्ष में 185 महाविद्यालयों के नए भवनों का निर्माण कराया है। उच्च शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में नए महाविद्यालय खोलने और क्रमोन्नत करने के लिए घोषणाएं की गई हैं।

डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नकल माफियों के खिलाफ सख्त कार्रवाईयां की जा रही हैं। वित्त पोषित और निजी संस्थानों की अनियमितताओं को लेकर शिकायतें मिलीं, उन पर एसओजी और संभागीय आयुक्त के निर्देशन में टीमों का गठन कर प्रभावी कार्रवाई कर रहे हैं। चूरू की ओपीजेएस विश्वविद्यालय में अनियमितताएं सामने आने पर प्रशासक नियुक्त किया गया है। साथ ही, 10 विश्वविद्यालयों में भी जांच चल रही है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस / मशीन लर्निंग पॉलिसी–2026 पर नॉलेज सीरीज़ एपिसोड 3 का आयोजन आज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान फाउंडेशन (राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी कार्य विभाग) द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राजस्थान सरकार के सहयोग से नॉलेज सीरीज़- एपिसोड 3 के अंतर्गत राजस्थान "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस / मशीन लर्निंग पॉलिसी 2026" विषय पर बुधवार को सायं 5.30 से 6.30 बजे ऑनलाइन सत्र आयोजित किया जाएगा। राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा ने बताया कि इस सत्र का मुख्य उद्देश्य राजस्थान सरकार द्वारा लागू की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस / मशीन लर्निंग पॉलिसी –2026 के प्रमुख प्रावधानों, ए.आई. के व्यावहारिक उपयोग तथा युवाओं, उद्यमियों, व्यवसायियों, विद्यार्थियों और प्रवासी राजस्थानियों के लिए उपलब्ध अवसरों पर विस्तार से चर्चा करना है।

इस सत्र के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधिकारियों द्वारा एक प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रख्यात उद्यमी, लेखक एवं फ्यूचरिस्ट - डॉ. अजय डाटा दैनिक जीवन के लिए ए.आई. का प्रभावी उपयोग एवं अपने व्यवसाय को सुदृढ़, प्रतिस्पर्धी एवं भविष्य के लिए तैयार बनाने की प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे।

यह एक रोचक ऑनलाइन सत्र होगा, जिसमें इच्छुक व्यक्ति https://rajasthan-gov.webex.com/rajasthan-gov/j.php?MTID=ma199b4ba3aaf4f908d92e3fdc5a6b3f5 लिंक पर पासवर्ड jaipur123 के माध्यम से भाग ले सकते है।

दीया कुमारी हनुमंत कथा में हुईं सम्मिलित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने तीर्थराज पुष्कर की पावन धरा पर आयोजित हनुमंत कथा में सहभागिता करते हुए बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर एवं प्रखर सनातन प्रवक्ता धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थराज पुष्कर की पावन धरा पर आयोजित यह हनुमंत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और आस्था के पुनर्जागरण का महोत्सव है। ये समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। जगत पिता ब्रह्मा जी की उपस्थिति से पुष्कर को तीर्थराज कहा जाता है। यहां के सरोवर की पवित्रता विश्व विख्यात है। हनुमंत कथा से पुष्कर की पवित्रता का संदेश विश्व भर में जाएगा।

महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट के लिए 275.68 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए 275.68 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार कर ली गयी है। दियाकुमारी ने प्रश्नकाल में विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी के पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण की अध्यक्षता में गठित समीक्षा समिति द्वारा गत तीन फरवरी को इस डीपीआर अनुसार कार्य कराये जाने का अनुमोदन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि किसी भी नये पर्यटन सर्किट एवं योजना के विकसित होने के बाद प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर स्थानीय आमजन के लिए उपलब्ध होते हैं। राज्य सरकार की भी प्राथमिकता रहेगी कि स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक रोजगार मिले। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से स्थानीय मेटेरियल सप्लायर्स एवं श्रमिकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इनके अलावा टूर ऑपरेटर, गाइड, होटल, पार्किंग, कैफेटेरिया, सोवेनियर शॉप्स, हैण्डीक्राफ्ट्स एवं होमस्टे के कार्य से जुड़े लोगों को भी आर्थिक लाभ होगा।

बच्चे को हेल्दी, टेस्टी और फटाफट बनने वाली कौन-सी चीज़ें दें, जानें यहां:

आज मुझे खाने में नूडल चाहिए', 'मुझे पास्ता चाहिए', 'कल मेरा फ्रेंड सैंडविच लेकर आया था, आज मैं लेकर जाऊंगा'- ऐसी डिमांड अक्सर बच्चे अपने स्कूल लंच के लिए करते है। कभी-कभी तो ऐसे आइटम दिए जा सकते है, लेकिन अक्सर देने पर बच्चों के डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। उनका वज़न भी बढ़ने लगता है। इसलिए बच्चों के स्कूल टिफिन में हमें अक्सर ऐसी चीजे देनी चाहिए जो हेल्दी भी हों और टेस्टी भी। वैसे ज्यादातर बच्चों की जीभ पर टेस्टबड्स धीरे-धीरे विकसित होते हैं। ऐसे में उन्हें बहुत-ही कम चीजें अच्छी लगती हैं। लेकिन उनकी पसंद वाली ज्यादातर चीजें अनहेल्दी ही होती हैं, खासकर पैक्ड आइटम्स। यह कहना कि बच्चे हेल्दी खाना पसंद नही करते, उन पर दोष मढ़ना होगा।

लंच में हेल्दी फूड के फायदे ही फायदे

लंच में किसी न किसी रूप में स्प्राउट्स हों, सलाद या फिर घर में तैयार पनीर तो बच्चों को विटामिन, मिनरल्स और प्रोटीन की कमी अमूमन नही होती।

फटाफट तैयार होने वाली चीज़ें

फटाफट तैयार होने वाले आइटम अक्सर बच्चों की पहली पसंद होते हैं, मसलन नूडल्स, पास्ता आदि। हालांकि, कई स्कूलों में इन्हें लाने के लिए मना किया जाता है, फिर भी बच्चों की जिद के आगे पैरंट्स हार जाते हैं। कुछ पैरंट्स खुद जल्दी उठकर बच्चों के लिए लंच बनाने की जगह उन्हें ये आइटम पकड़ा देते हैं। कई बार महीने में 5 से 7 बार से ज्यादा दिन यही खाना दिया जाता है। अब इन्हें पूरी तरह तो बैन नही कर सकते, ऐसे में महीने में 2 बार तक खिलाएं तो नुकसान कम जरूर हो जाएगा। इसी तरह सैंडविच भी हफ्ते में 1 से 2 बार ही देना चाहिए।

अनहेल्दी खाने के बहुत नुकसान

अगर पैरंट्स महीने में 2 दिन नूडल्स, 2 दिन सैंडविच, 2 दिन फ्रेंच फाइज, 2 दिन मैकरोनी और 2 दिन पास्ता देते हैं तो कुल मिलाकर 10 दिन बच्चों की पसंद का खाना दे रहे हैं। कई बार वक्त की कमी से वे बच्चों को पैसे भी दे देते है जिससे वे पेटीज, बर्गर आदि खा लेते है। ये सभी चीजें अनहेल्दी हैं। इन्हें घर में तैयार करें तो नुकसान कम होगा और कुछ पोषण भी मिल सकता है। वही, बाहर मिलने वाली ऐसी चीजों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड मैदा, पाम ऑयल के साथ कई केमिकल और ज्यादा सॉल्ट होता है। ये पाचन तंत्र को कमजोर करते हैं, फिर वजन बढ़ाते है। इनसे इम्यूनिटी कमज़ोर होने लगती है।

इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐसी रील्स वायरल हो रही हैं, जिनमें एक टीचर अपने हर स्टूडेंट का टिफिन खोलकर दिखाती हैं कि बच्चा घर से क्या लाया है। ज्यादातर बच्चों के टिफिन में नूडल्स, बिस्कुट, केक या फलों के टुकड़े मिलते हैं। जिस उम्र में बच्चों को बेहद पौष्टिक खाने की ज़रूरत होती है, उस वक्त पैरंट्स उनके टिफिन में ऐसी चीज़ें भेजकर अपनी जिम्मेदारी से छुटकारा पा रहे हैं। इस बारे में हमने एक्सपर्ट्स से पूछा कि पैरंट्स सुबह ऐसा क्या बना सकते हैं जो फटाफट तैयार भी हो जाए और न्यूट्रिशन से भरपूर भी हो? उनके दिए सुझाव पेश कर रहा है जागरूक जनता

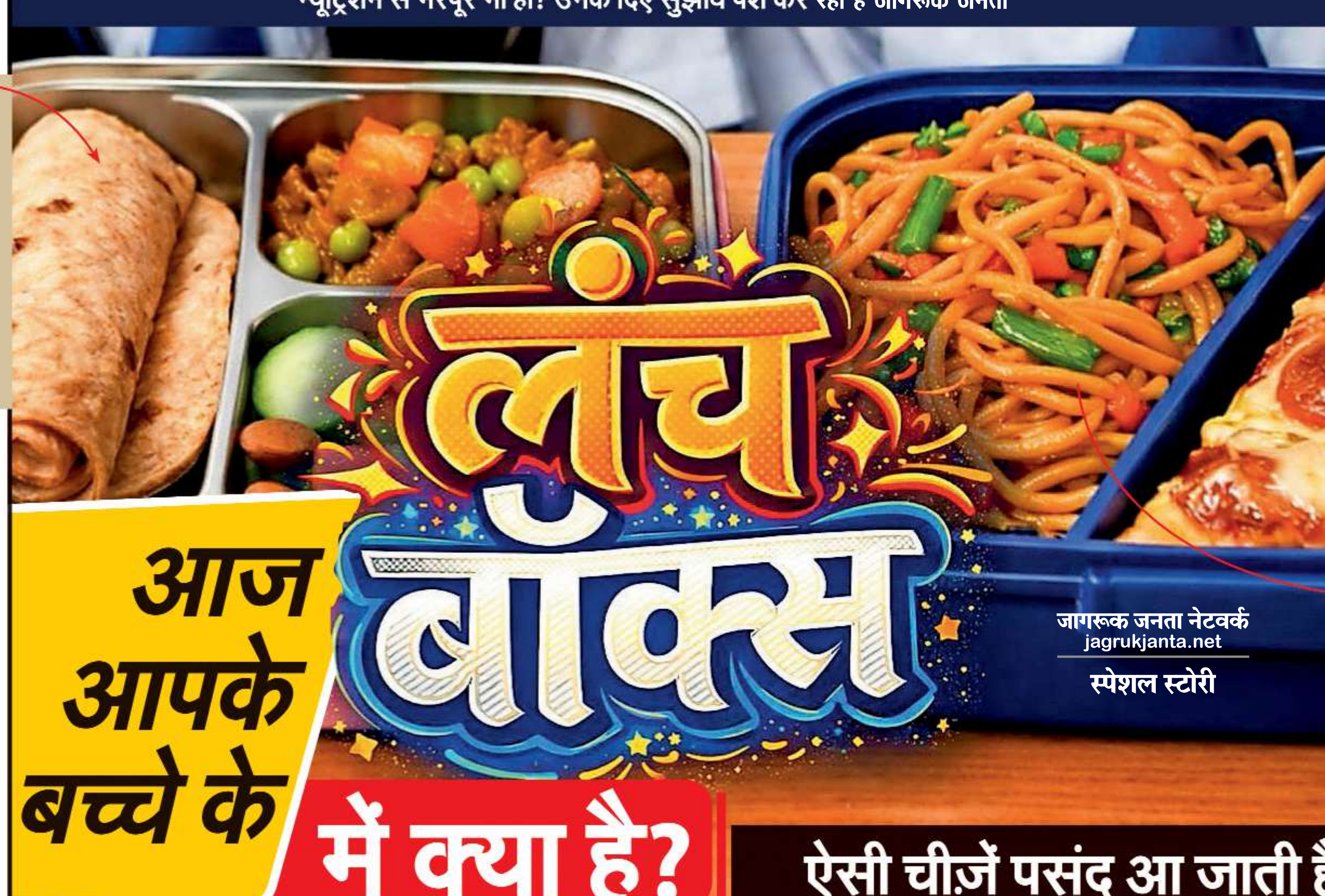

एक्सपर्ट की राय

'नूडल्स या पास्ता आदि 15 दिन में एक बार टिफिन में दे सकते हैं। इन्हें बिलकुल बैन न करें। मटर, स्प्राउट्स आदि मिला दें, ताकि पास्ता, नूडल्स आदि की मात्रा 30 पर्सेंट तक ही रहे। इससे बच्चे भी खुश रहेंगे और सही न्यूट्रिशन भी मिल जाएगा।'
–नीलांजना सिंह, सीनियर डाइटिशन

'बच्चों की परवरिश में सबसे अहम रोल उनकी डाइट का होता है। इसलिए स्कूल के लिए लंच देते समय इस बात का खास ख्याल रखें। अनहेल्दी चीज़ें कम दें। इससे सिर्फ इम्यूनिटी कमज़ोर नहीं होती, बच्चों में एंग्जायटी की परेशानी भी हो सकती है।'
–ईशी खोसला, सीनियर डाइटिशन

अनहेल्दी फूड खाने से कई नुकसान

ऐसा खाना खाने से वज़न तेजी से बढ़ता है। फ्री रेडिकल्स ज्यादा बनते हैं। इससे इम्यूनिटी कमज़ोर होती है। बच्चे को अक्सर सर्दी-खांसी, जुकाम होने का खतरा रहता है।

AI Image

खाने में दें खूब सब्जियां, फल और सलाद

मौसमी सलाद, फल: हर सीज़न के अपने फल होते हैं जो उस मौसम में खूब मिलते हैं। ये एक तरफ जहां सस्ते होते हैं, वहीं इन्हें ताज़ा रखने के लिए किसी केमिकल आदि की जरूरत नहीं होती। इसलिए बच्चों को खिलाने में समस्या नहीं है। आजकल अमरूद, अंगूर, संतरा, मौसमी, कीनू आदि बढ़िया ऑप्शंस हैं। कमोबेश यही स्थिति सलाद के लिए गाजर आदि की है। ऐसा लंच दें, जिसे बनाने में गाजर, खीरा, स्प्राउट्स आदि का इस्तेमाल हुआ हो। अगर ऐसा न हुआ हो तो इन्हें अलग से जरूर दें। अगर फल दिए हों तो भी सलाद अलग से दें।

स्कूलों में उपलब्ध लंच: अगर स्कूल में तैयार लंच पर पूरा भरोसा हो तभी चुनें। कई बार पैसा बचाने के चक्कर में कुछ स्कूलों में पाम ऑयल, मैदा आदि का इस्तेमाल ज्यादा होता है। इनके इस्तेमाल से खाना ज्यादा टेस्टी हो जाता है। इसलिए बच्चों को खूब पसंद आता है। लेकिन उन्हें अनहेल्दी चीजों के बारे में जानकारी नहीं होती। **जाने-माने शेफ संजीव कपूर कहते हैं, 'बच्चे अपने आप नही पलते। उन्हें पालना पड़ता है। वक्त निकालना पड़ता है। पति-पत्नी दोनों वर्किंग हैं तो दोनों की जिम्मेदारी है कि बच्चा घर का खाना खाए।'**

ऐसी चीज़ें पसंद आ जाती हैं बच्चों को

वेज पुलाव और सलाद
चावल में हरी सब्जियां जैसे मटर, गाजर, बीन्स आदि को मिलाकर पुलाव तैयार कर सकते हैं। चूंकि यह घर पर तैयार होता है, इसमें चिकनाई की मात्रा कम होती है। साथ ही कोई केमिकल भी नहीं होता। इसलिए यह हेल्दी है।

स्प्राउट्स चाट और छोटा परांठा
अंकुरित मूंग पचने में आसान है और ऐंटिऑक्सिडेंट का बढ़िया सोर्स भी। इसमें नीबू, टमाटर, हरा धनिया आदि मिला दें तो यह सुपरहेल्दी हो जाता है। इसे परांठे के साथ रोल बनाकर दे सकते हैं।

वेजिटेबल पास्ता (बाजरा, रागी या गेहूं वाला)
अगर पास्ता मैदे का न हो और गेहूं, बाजरा या रागी आदि से तैयार हो तो हफ्ते में एक दिन तो खिला ही सकते है। हां, रेग्युलर देने सेपहले यह देख लें कि बच्चे को मिलेट्स पचाने में परेशानी तो नहीं होती। अगर बाजरा या रागी को पानी में अच्छी तरह से धोकर सुखानेके बाद आटा तैयार हुआ है तो बढ़िया है। साथ ही जब उसमें सब्जियां भी अच्छी खासी मात्रा में डाल दी जाएं तो न्यूट्रिशन भी मिलताहै। ध्यान रहे कि वेजिटेबल ज्यादा तेल में फ्राई न करें। हल्के तेल में पकी या स्टीम करके भी दे सकते है। सब्जियां मौसमी होनी चाहिए।

वेज़ सैंडविच (ब्राउन ब्रेड, होलवीट या मल्टिग्रेन वाला)
सैंडविच से बचना चाहिए, लेकिन हेल्दी ब्रेड से बनाएं तो बेहतर है। गाजर, चुकंदर, खीरा, टमाटर, उबले आलू, पनीर, स्प्राउट्स आदि भी डाल दें तो सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

काले चने की टिक्की-रोटी रोल
प्रोटीन से भरपूर यह आइटम भी बच्चों को खूब पसंद आता है। इसे रोटी के रोल के साथ दे सकते हैं। **पनीर भुर्जी और फुल्का रोल:** घर में तैयार पनीर से भुर्जी बनाएं। ज्यादातर बच्चे रोल में खाना पसंद करेंगे।

सम्पादकीय

चेहरे बदलने की सुविधा अंधेरे में उम्मीद का दीया

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) देश का अहम चिकित्सा संस्थान है, जिस पर देशवासियों को सबसे ज्यादा भरोसा है। कोई भी बीमारी हो, उसका इलाज एम्स में संभव माना जाता है। उपकरण, तकनीक, संसाधनों और कौशल में वह कहीं भी पीछे नहीं रहता। चिकित्सा की हर नवीनतम तकनीक को इस संस्थान ने पारंगतता के साथ अपनाया है। पिछले कुछ दशकों में ऐसी अनगिनत बीमारियों का इलाज यहां संभव हो पाया है, जिनके लिए दूसरे देशों पर निर्भरता थी। अब एम्स में जल्द ही चेहरा प्रत्यारोपण (फेस रिप्लेसमेंट) की सुविधा जुड़ने की उम्मीद जगी है।

अमरीका के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के विशेषज्ञों ने दिल्ली एम्स में उनके विशेषज्ञों को इस चिकित्सा पद्धति की तकनीक का प्रशिक्षण दिया है। इन विशेषज्ञों ने यह भी कहा है कि एम्स में कौशल और अवसंरचना की स्थिति उच्चस्तरीय है और इस तकनीक को अपनाने के लिए सर्वथा योग्य है। हार्वर्ड के विशेषज्ञों के इस कथन के बाद अब एम्स में जल्द ही यह सुविधा शुरू होने की संभावनाएं नजर आने लगी हैं। फेस रिप्लेसमेंट सुविधा की अहमियत को इससे समझा जा सकता है कि यह अब तक केवल अमरीका, फ्रांस, स्पेन और तुर्की में ही सुलभ है। भारत इस सुविधा से सुसज्जित दुनिया का पांचवां या छठा देश कहलाएगा। फेस रिप्लेसमेंट आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की अहम जरूरत है। इसका महत्व एसिड अटैक, किसी अग्नि दुर्घटना या ऐसे ही किसी बड़े हादसे में चेहरा लगभग गंवा देने वाले वे लोग अच्छी तरह जानते हैं, जिन्हें पंद्रह-बीस सर्जरी के बावजूद आराम महसूस नहीं होता या वे अपने चेहरे को मूल स्वरूप में नहीं पाने की वजह से अवसाद से ग्रसित हो जाते हैं। फेस रिप्लेसमेंट उनके लिए कारगर चिकित्सा पद्धति है, जो क्षत-विक्षत चेहरे की दर्द वाली सर्जरी से मुक्ति दिलाने के साथ उन्हें किसी और का ही सही पर सामान्य चेहरा सुलभ करवा सकती है।

ऐसे लोगों की संख्या का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि एम्स में हर साल आठ हजार से ज्यादा लोग इस तरह की सर्जरी के लिए आते हैं। देशभर में चेहरे की सर्जरी के असल जरूरतमंदों की संख्या इससे कई गुना अधिक है। इनमें गिने चुने लोग ही फेस रिप्लेसमेंट सर्जरी, जो कि स्वाभाविक तौर पर बहुत खर्चीली है, के लिए अमरीका-फ्रांस जा पाते हैं। बाकी लोग वित्तीय सीमाओं व अन्य मजबूरियों के चलते बाहर जाकर इलाज करवाने के बारे में सोच भी नहीं पाते। वे जिंदगी को दर्द, पीड़ा और ग्लानि के भाव से जीने के लिए अभिशप्त होते हैं।

ऐसे में एम्स में फेस रिप्लेसमेंट की सुविधा शुरू होना उनके लिए वरदान होगा। कालांतर में देशभर के अस्पतालों में इस सुविधा का प्रसार होगा और वह समय दूर नहीं जब अंग प्रत्यारोपण की तरह फेस रिप्लेसमेंट भी देश में आम होगा। लोगों की तकलीफ दूर करने के साथ यह देश के मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा देने में सहायक होगा।

उपभोक्ताओं पर ध्यान, मिस-सेलिंग और जबरन वसूली पर नकेल कसेगा रिजर्व बैंक

चेतेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> मिस-सेलिंग, अनुचित प्रोत्साहन संरचनाओं और दबावपूर्ण वसूली चलन को व्यवस्थित रूप से लक्षित करके, रिजर्व बैंक वर्षों से मौजूद गहरे आचरण संबंधी जोखिमों का समाधान करना चाहता है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में 'विनियमित संस्थाओं द्वारा वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के विज्ञापन, मार्केटिंग और बिक्री' तथा 'ऋण की वसूली और रिकवरी एजेंटों की नियुक्ति में विनियमित संस्थाओं के आचरण' को लेकर मसौदा संशोधन निर्देश जारी किए हैं। इनके 1 जुलाई 2026 से लागू होने की उम्मीद है। यह उपभोक्ता केंद्रित बैंकिंग की दिशा में एक और कदम है। मिस-सेलिंग (गलत जानकारी के आधार पर या भ्रम में रखकर बिक्री), अनुचित प्रोत्साहन संरचनाओं और दबावपूर्ण वसूली चलन को व्यवस्थित रूप से लक्षित करके, रिजर्व बैंक भारत की वित्तीय प्रणाली में वर्षों से मौजूद गहरे आचरण संबंधी जोखिमों का समाधान करना चाहता है।

मिस-सेलिंग के संदर्भ में, मसौदा प्रस्ताव बैंक कर्मचारियों को तृतीय पक्ष बिक्री प्रोत्साहन देने पर प्रतिबंध लगाने, जबरन उत्पाद बंडलिंग रोकने, स्वीकृत ऋणों के माध्यम से उत्पाद खरीद की फंडिंग सीमित करने और डिजिटल इंटरफेस में डार्क पैटर्न्स पर रोक लगाने का सुझाव देता है। मिस सेलिंग के प्रमाण के चलते इन उपायों का महत्त्व समझ में आता है। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, अनुचित व्यावसायिक चलन से संबंधित 26,667 शिकायतें दर्ज हुईं, जो सालाना 14 फीसदी की वृद्धि दर्शाती हैं और बीमा क्षेत्र में कुल शिकायतों का 22 फीसदी से अधिक हिस्सा बनाती हैं।

बीमा, बैंक उत्पादों की मिस-सेलिंग का एक प्रमुख हिस्सा है। भारतीय बैंक शाखाओं के एक अध्ययन में पाया गया कि उच्च कमीशन वाले उत्पादों को प्राथमिकता से बेचा जाता है और जटिल विशेषताओं को ग्राहकों को शायद ही कभी पूरी तरह समझाया जाता है। बाजार आंकड़े दर्शाते हैं कि बैंक सामूहिक रूप से बीमा कमीशन से हर साल लगभग 25,000 करोड़ रुपये कमाते हैं। मसौदा प्रस्ताव मिस-सेलिंग को रोकने के लिए ग्राहकों की उपयुक्तता का आकलन आयु, आय और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर करने की बात करता है। यह एक बड़ा कदम है जिससे उत्पाद संबंधी अनुशंसाएं वास्तविक ग्राहक आवश्यकताओं के अनुरूप होंगी, न कि केवल कमीशन की संभावना पर आधारित होंगी। बैंकों को प्रत्येक उत्पाद के लिए स्पष्ट सहमति प्राप्त करनी होगी, 30 दिनों के भीतर ग्राहक प्रतिक्रिया लेनी होगी और बार-बार सामने आने वाली समस्याओं की पहचान व नीतियों को अद्यतन करने के लिए अर्धवार्षिक प्रतिक्रिया रिपोर्ट तैयार करनी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जहां मिस-सेलिंग की बात साबित हो जाती है, वहां बैंकों को ग्राहकों द्वारा चुकाई गई पूरी राशि वापस करनी होगी और संबंधित नुकसान की भरपाई करनी होगी।

यह मसौदा मिस-सेलिंग की परिभाषा को भी काफी सख्त करता है, जिसमें अब अनुपयुक्त बिक्री भी शामिल है, भले ही औपचारिक सहमति दी गई हो। ग्राहकों को यह विकल्प भी दिया जाएगा कि वे तीसरे पक्ष के उत्पादों को अपनी पसंद के प्रदाता से खरीदें, न कि केवल बैंक के पसंदीदा साझेदार से। ये प्रावधान इसलिए महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि जन धन खातों, डिजिटल भुगतान और बढ़ते ऋण के माध्यम से भारत की वित्तीय समावेशन पहल ने लाखों लोगों को औपचारिक प्रणाली में जोड़ा है। 'ऋण की वसूली और रिकवरी एजेंटों की नियुक्ति में विनियमित संस्थाओं का आचरण' संबंधी मसौदा जबरन ऋण वसूली चलन को रोकने का लक्ष्य रखता है, जो लंबे समय से भारत की वित्तीय प्रणाली में भरोसे को कमजोर कर रही हैं। देशभर के कर्जधारकों ने बार-बार रिकवरी एजेंटों द्वारा उत्पीड़न, धमकी और सामाजिक दबाव की शिकायत की है। प्रस्तावित नियम अपमानजनक कॉल, सार्वजनिक अपमान, गुमनाम या अत्यधिक संपर्क, रिश्तेदारों तक पहुंच और निर्धारित समय से परे जाकर वसूली प्रयासों पर रोक लगाते हैं। साथ ही, बैंकों को रिकवरी कॉल रिकॉर्ड करने, एजेंटों को उचित आचरण का प्रशिक्षण देने और स्पष्ट शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता होगी। इस प्रकार, समग्र रूप से देखा जाए तो रिजर्व बैंक के दिशानिर्देश बैंकों और अन्य ऋण संस्थानों में प्रोत्साहन संबंधी समस्या की जड़ को लक्षित करते हैं। अनिवार्य ऑडिट, डायरेक्ट सेलिंग एजेंटों की स्पष्ट जवाबदेही और धोखाधड़ीपूर्ण डिजिटल इंटरफेस की परिभाषा में स्पष्टता के माध्यम से ये प्रस्ताव मिस-सेलिंग के संरचनात्मक कारणों को काफी हद तक कम कर सकते हैं और बैंकों के ग्राहकों से जुड़ने के तरीके को नया रूप दे सकते हैं। कड़े प्रवर्तन, पारदर्शी खुलासे और मजबूत शिकायत निवारण वित्तीय प्रणाली में विश्वास को दोबारा बहाल कर सकते हैं।

तस्वीरों से नहीं व्यवहार से बनती है पहचान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

संदीप पारीक
समाजविद्
@jagrukjanta.net

वर्तमान समय में सोशल मीडिया ने व्यक्तित्व निर्माण का एक नया मंच प्रदान किया है। आज अनेक लोग अपने प्रभाव और पहुँच को दर्शाने के लिए बड़े नेताओं, उच्च पदाधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ खिंचवाई गई तस्वीरें निरंतर साझा करते रहते हैं। हर मुलाकात, हर कार्यक्रम और हर मंच की उपस्थिति को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो वही उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रमाण हो। ऐसी पोस्टों को देखकर सामान्य व्यक्ति सहज ही यह मान लेता है कि यह व्यक्ति ऊँची पहुँच रखता है और आवश्यकता पड़ने पर किसी भी कार्य को करवाने में सक्षम होगा। मन में एक विश्वास जन्म लेता है कि "जब यह बड़े लोगों के साथ उठता-बैठता है, तो निश्चित ही हमारी समस्या का समाधान करवा सकेगा।"

परंतु जीवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब कोई सचमुच सहायता के लिए पुकारता है। अस्पताल में भर्ती किसी जरूरतमंद की मदद हो, प्रशासनिक अड़चन हो या किसी संकट की घड़ी – तब अक्सर वही तथाकथित प्रभावशाली व्यक्ति असहायता व्यक्त करता दिखाई देता है। फोन से बचना, टालमटोल करना या अंत में यह कह देना कि "यह मेरे बस की बात नहीं है" – यह स्थिति मदद की आशा रखने वाले व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। तब मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है – यदि सहायता करने की न तो क्षमता है और न ही तत्परता, तो प्रभाव का प्रदर्शन किसलिए? क्या केवल तस्वीरें और पोस्ट ही सामाजिक विश्वसनीयता का आधार बन सकती हैं?सत्य यह है कि समाज में स्थायी सम्मान प्रदर्शन से नहीं, बल्कि व्यवहार से मिलता है। संपर्कों का प्रदर्शन क्षणिक प्रभाव तो डाल सकता है, परंतु किसी की आवश्यकता के समय साथ खड़ा होना ही वास्तविक पहचान बनाता है। आज आवश्यकता है दिखावे की संस्कृति से आगे बढ़ने की। यदि हम सच में समाज में विश्वास अर्जित करना चाहते हैं, तो हमें तस्वीरों से अधिक अपने कर्मों को बोलने देना होगा। क्योंकि अंततः याद वही रखा जाता है जिसने संकट की घड़ी में हाथ थामा हो, न कि जिसने केवल मंच साझा किया हो।

आखर-आखर झरे उजियार

आंगन में ये खुशबू तो बुजुर्गों की है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

बचपन में मिले संस्कार ही युवावस्था की आधारशिला बनते हैं। जवानी के जोश और होश में मन, वचन और कर्म से जीवन सचमुच रूपान्तरित होने लगता है। फिर उसके बाद वृद्धावस्था के सुखद पड़ाव में मनुष्य प्रवेश करता है। दुनियावी संघर्षों के तहत जवानी भले ही चिन्ता में बीत जाए, लेकिन बुढ़ापा चिन्तन प्रधान हो जाए तो जीवन निखर उठता है। बड़े बूढ़े लोग अपने ज़माने के किस्से सुनाने में अक्सर मशगूल हो जाते हैं। वो अपने अतीत को वर्तमान में लाने की चेष्टा करते हैं,जब कि युवा अपने भावी सपनों को साकार करने के लिए आतुर रहते हैं। जैसे पर्वत पर चढ़ाई के दौरान झुक कर चलना पड़ता है, उसी तरह ऊँचाई हासिल करने के लिए युवाओं को विनयशील रह कर लक्ष्य प्राप्त करना होता है।

वृद्धावस्था जीवन के शिखर के समान है। शिखर से उतरने में सीधे सीधे सम्भल कर चलना होता है। उतार के समय धैर्य, विवेक और सावधानी की विशेष आवश्यकता होती है। ये बात जरूर सच है कि उम्रदराज़ लोग अपने अनुभवों से समृद्ध होते हैं। उनके पास जीवन के व्यावहारिक अनुभव की संपदा होती है। उनकी मात्र उपस्थिति में, उनके करीब बैठने से समस्याओं के सहज समाधान सम्भव होने लगते हैं। प्रायः ऐसा माना जाता है कि कॉलेज टाइम जिंदगी का बेहतरीन काल खंड होता है। जब कि सच्चाई इसके विपरीत है। सेण्टर ऑफ लौंगिविटी की संस्थापक निदेशक और स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर लौरा कार्स्टेंसन के शोध कार्य का निष्कर्ष बताता है कि असल में ज़िन्दगी का सबसे अच्छा वक्त 60 और 70 की उम्र में आता है। उनका मानना है कि 20 से 30 की उम्र के आसपास के लोग अकेलेपन, चिन्ता और अवसाद से जूझते हैं। 25 की आयु के बाद धीरे धीरे नकारात्मक भावनाएं कमतर होने लगती है। 40 से 60 की उम्र के दौरान बदलाव ज्यादा होते हैं। 60 से 70 की उम्र के मध्य भावनात्मक संतुलन चरम पर होता है। इस दौरान लोगों के व्यवहार में संतुष्टि, सामाजिकता और शान्ति परिलक्षित होती है। इस मुक़ाम पर जीवन के नक़्शे का ज़िक्र करते हुए वो बताती हैं कि सामाजिक सुरक्षा और मेडिकल सुविधाओं के तहत लोग अब दीर्घायु प्राप्त कर रहें हैं, इसलिए शिक्षा, परिवार और कामकाज़ी जीवन की नई परिभाषा नियत करनी होगी। मशहूर कवि इकराम राजस्थानी की पँक्तियाँ याद आती है...

तुम समझते हो, महक गमलों के फूलों की है,
घर के आंगन में ये खुशबू तो बुजुर्गों की है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और भारत में रोजगार का भविष्य

राम शर्मा, पत्रकार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या एआई) आज दुनिया के सबसे तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी क्षेत्रों में से एक है। यह तकनीक न केवल वैज्ञानिक शोध और तकनीकी उद्योगों को प्रभावित कर रही है, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और शासन जैसे बुनियादी सामाजिक स्तंभों को भी गहराई से बदल रही है। इसी संदर्भ में इंडि 2026, जो नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16-21 फरवरी 2026 तक आयोजित हई, एक ऐतिहासिक वैश्विक मंच साबित हुआ है। यह समिट पहली बार एक Global South देश–भारत द्वारा आयोजित वैश्विक AI सम्मेलन था, जिसमें लगभग 100 से अधिक देशों, शीर्ष तकनीकी कंपनियों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के नेताओं ने भाग लिया। इसे 'AI और मानव-केंद्रित भविष्य' की दिशा में एक निर्णायक कदम के रूप में देखा गया। AI की प्रगति ने पारंपरिक तौर पर कार्य करने वाले ढांचों को चुनौती दी है। मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन, डेटा एनालिटिक्स और स्वचालित प्रणालियों के उदय ने कुछ क्षेत्रों में मानव श्रम की आवश्यकता को कम किया है, जबकि कुछ क्षेत्रों में नई भूमिकाओं का सृजन भी किया है। उदाहरण के लिए, डेटा वैज्ञानिक, AI इंजीनियर, AI नैतिकता विशेषज्ञ, और मशीन लर्निंग ऑपरेशन्स (MLOps) इंजीनियर जैसे नए पेशे उभर कर सामने आए हैं। AI का प्रभाव सिर्फ तकनीकी कर्मियों तक सीमित नहीं रहता; यह स्वास्थ्य सेवा में रोग निदान और उपचार सुझावों, कृषि में बेहतर पैदावार प्रबंधन, शिक्षा में व्यक्तिगत सीखने के तरीकों, और सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता एवं दक्षता जैसे क्षेत्रों तक फैल चुका है। भारत जैसे देश में जहां युवा आबादी की संख्या अधिक है, AI के रोजगार प्रभाव पर संतुलन बनाना आगे की विकास रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नीति निर्माताओं का मानना है कि AI की क्षमता का विस्तार तभी सफल होगा जब कौशल विकास और रोजगार सुरक्षा को एक साथ जोड़कर काम किया जाए। इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 का आयोजन इंडिया एआई मिशना के अंतर्गत किया गया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका औपचारिक उद्घाटन किया. इस समिट का विषय 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय – सबके हित और सुख के लिए AI' रखा गया था। लृयह यह संकेत देता है कि AI सिर्फ तकनीकी अचीवमेंट नहीं बल्कि सामाजिक समावेशन और मानव-केंद्रित प्रगति का हिस्सा भी है। समिट में 300 से अधिक प्रदर्शकों के साथ विभिन्न AI-आधारित उत्पादों, समाधान और मॉडल को प्रदर्शित किया गया। इनमें भारतीय स्टार्टअप और शोधशालाओं द्वारा विकसित मॉडल जैसे मल्टी-भाषी AI, स्मार्ट ग्लासेस और भाषण पहचान प्रणालियां शामिल थीं, जिनका लक्ष्य भारत के बहुभाषी एवं विविध समाज की जरूरतों को पूरा करना था। सम्मेलन के दौरान 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन ऑन एआई इम्पैक्ट' पर 80 से अधिक देशों ने हस्ताक्षर किए' यह घोषणा वैश्विक स्तर पर एआई के विकास को नैतिक, पारदर्शी और समावेशी बनाने पर जोर देती है।

ओपिनियन

जीवन की कक्षा के बीच जिंदगी छोड़ मौत चुनते छात्र

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हाल ही में छात्रों में सुसाइड के मामलों में तेजी से वृद्धि देखने को मिल रही है। ऐसा देश सहित पूरी दुनिया में हो रहा है। कुछ समय पहले जयपुर में एक बीटेक छात्र और बारां में दसवीं क्लास की छात्रा के आत्महत्या का मामला सामने आया है, जिसके बाद एक बार फिर छात्रों में आत्महत्या जैसे मसले पर चिंता की स्थिति को और बढ़ा दिया है। देखा जा रहा है 15 से 24 साल के नौजवान छात्रों में सुसाइड यानी आत्महत्या का चलन तेजी से बढ़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि सुसाइड दुनिया में मृत्यु का तीसरा बड़ा कारण है। ऐसे अनगिनत मामले रोजाना परिवार और समाज के लिए एक सवाल बन रहे हैं कि आखिर जीवन की कक्षा के बीच छात्र जिंदगी छोड़ मौत को क्यों चुन रहे हैं?

असल में भारत में छात्रों के बीच आत्महत्या एक गंभीर और बढ़ती समस्या है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ओर से हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में छात्रों की आत्महत्याएं चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई हैं। देश में आत्महत्या करने वाले कुल लोगों में छात्रों की संख्या 7.6 फीसदी है। 2022 के आंकड़ों पर आधारित इस ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में हर साल अनुमानित तौर पर करीब 13,000 छात्र आत्महत्या करते हैं। हालांकि 2023 और 2024 में आत्महत्या के आधिकारिक आंकड़े अभी जारी नहीं हुए हैं, लेकिन लगातार बढ़ते मामलों से स्थिति चिंताजनक बनती जा रही है। छात्रों की आत्महत्याओं के पीछे मुख्य कारण तनाव बताया जा रहा है। शैक्षणिक और सामाजिक तनाव के साथ-साथ कॉलेजों या संस्थाओं से मदद ना मिलना और जागरूकता का अभाव भी है। सुसाइड (आत्महत्या) का मतलब है जानबूझकर और स्वेच्छा से अपना जीवन समाप्त कर लेना। यह एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य मुद्दा है, जो अक्सर असहनीय दर्द, हताशा या मानसिक पीड़ा के कारण होता है। आत्महत्या एक रोकी जा सकने वाली घटना है और यह अक्सर मानसिक विकारों या अचानक आए तनावपूर्ण बदलावों का परिणाम होती है। मनोरोग विशेषज्ञों का कहना है कि आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में छात्रों पर लगातार बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव है। यह तनाव जब असहनीय हो जाता है, तो कई छात्र आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा लेते हैं। यह न केवल एक परिवार को बर्बाद करता है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। इसके कारणों में अत्यधिक शैक्षणिक दबाव के बीच बेहतर अंक लाने की दौड़ और प्रतियोगी परीक्षाओं का डर, पारिवारिक अपेक्षाएं जिसमें माता-पिता द्वारा बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोपना, अकेलापन और अवसाद जिसमें घर से दूर रहकर पढ़ाई करने वाले छात्रों में अकेलापन, भेदभाव और शोषण जिसमे यौन, शारीरिक या भावनात्मक शोषण, असफलता का डर, कॅरियर या परीक्षाओं में असफल होने का डर जैसे कारक शामिल हैं।

> स्टूडेंट आत्महत्या गंभीर सामाजिक समस्या है, जो मुख्य रूप से अकादमिक दबाव, परीक्षा का डर, भविष्य की चिंता, अकेलेपन और पारिवारिक अपेक्षाओं के कारण बढ़ रही है। इसे रोकने के लिए छात्रों को भावनात्मक समर्थन, परामर्श और तनावमुक्त माहौल प्रदान करना आवश्यक है, जिसमें माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका अहम है।

स्टूडेंट आत्महत्या एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो मुख्य रूप से अकादमिक दबाव, परीक्षा का डर, भविष्य की चिंता, अकेलापन और पारिवारिक अपेक्षाओं के कारण बढ़ रही है। इसे रोकने के लिए छात्रों को भावनात्मक समर्थन, परामर्श और तनावमुक्त माहौल प्रदान करना आवश्यक है, जिसमें माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका अहम है। बढ़ते मामलों की चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई, 2025 में छात्रों की आत्महत्याओं को रोकने के लिए ऐतिहासिक निर्देश जारी किए, जिसमें शैक्षणिक संस्थानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य नीति, अनिवार्य परामर्शदाता और हेल्पलाइन की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। कोर्ट ने इसे एक संरचनात्मक अस्वस्थता माना और परीक्षा-केंद्रित दबाव को कम करने, भेदभाव मुक्त माहौल सुनिश्चित करने तथा आत्महत्या की घटनाओं की अनिवार्य रिपोर्टिंग के आदेश दिए हैं। वहीं मनोचिकित्सकों का इसके समाधान और रोकथाम के उपायों पर कहना है कि माता-पिता को संवाद की भूमिका निभाते हुए अपने बच्चों से खुलकर बात करनी चाहिए और उनकी समस्याओं को समझना चाहिए। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए छात्रों को तनाव कम करने के लिए प्रेरित करें और जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद लें। प्रतिस्पर्धा के दबाव को कम करें। बच्चों को केवल अंकों की दौड़ में न दौड़ाएं, बल्कि उनकी प्रतिभा को समझें। इसके साथ घर और स्कूल में ऐसा सकारात्मक माहौल बनाएं, जहां छात्र खुद को सुरक्षित और समर्थित महसूस करें।

वहीं मदद के लिए भारत में शिक्षा मंत्रालय की उम्मीद गाइडलाइंस और एआईआईएमएस के नेवर अलोन ऐप जैसी पहल सक्रिय हैं, जो हेल्पलाइन जैसे 988 और स्कूल-आधारित सहायता प्रणालियों के माध्यम से भावनात्मक समर्थन प्रदान करती हैं। छात्रों की आत्महत्या को रोकने में प्रगति के लिए यह अत्यावश्यक है कि हम इस कलंक को मिटाने के लिए सामूहिक रूप से काम करें। करुणा और समझ की संस्कृति को बढ़ावा देकर जहां मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करना किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या पर चर्चा करने जितना ही सामान्य हो। हम एक ऐसा वातावरण बना सकते हैं, जिसमें छात्र और परिवार मदद मांगने और अपनी चुनौतियों को साझा करने में सुरक्षित महसूस करें। हम सभी को ऐसा मिलकर करना ही होगा, ताकि हमारी युवा प्रतिभा असमय मौत के मुंह में जाने से बचे और देश तथा समाज के लिए कुछ अच्छा कर पाए।

पंचांग

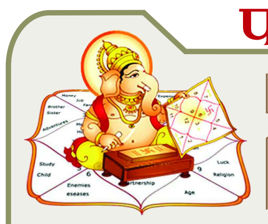

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 25/02/2026

सूर्योदय : 06:58 **सूर्यास्त :** 18:21 **चन्द्रोदय :** 12:03 **चन्द्रास्त :** 01:39 **शक सम्वत :** 1947 **विक्रम संवतः** 2082 कालयुक्त, विश्वावसु **अमान्ता महीना :** फाल्गुन **पूर्णिमांत :** फाल्गुन **सूर्य राशि :** कुम्भ **चन्द्र राशि :** वृषभ **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** नवमी, 26:42 तक **वार :** बुधवार **कलियुग :** 5126 वर्ष **द्रिक ऋतु :** बसन्त **द्रिक-वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : रोहिणी, 13:37 तक
योग : विष्कंभ, 25:29 तक
प्रथम करण : बालवा, 15:47 तक
द्वितीय करण : कौवाला, 26:42 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:10 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:35 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:29 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:16 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:18 पी एम से
अमृत काल	10:38 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:9 ए एम, फरवरी 26 से
रवि योग	01:38 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	पूरे दिन

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शुक्र
कुंभ चक्रः दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:57 - 08:23	उद्वेग : 18:20 - 19:55
अमृत	: 08:23 - 09:48	शुभ : 19:55 - 21:29
काल काल वेला	: 09:48 - 11:13	अमृत : 21:29 - 23:04
शुभ	: 11:13 - 12:39	चर : 23:04 - 00:38
रोग वार वेला	: 12:39 - 14:04	रोग : 00:38 - 02:13
उद्वेग	: 14:04 - 15:29	काल : 02:13 - 03:47
चर	: 15:29 - 16:55	लाभ : 03:47 - 05:22
लाभ	: 16:55 - 18:20	उद्वेग : 05:22 - 06:56

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज नवमी

आज कौन सा कार्य करें

नवमी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

फाल्गुन, शुक्ल, नवमी, 2082 बुधवार, 25 फरवरी - 3 मार्च, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

यूईएम जयपुर ने 11वें दीक्षांत समारोह को भव्यता और गौरव के साथ मनाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर ने रविवार, 22 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में अपना 11वाँ दीक्षांत समारोह अत्यंत गरिमा और उत्सवपूर्ण वातावरण में आयोजित किया। यह ऐतिहासिक अवसर वर्ष 2025 के स्नातक बैच के लिए उनकी शैक्षणिक यात्रा की सफल पूर्णता का प्रतीक बना। इस समारोह में पीएच.डी., इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फिजियोथेरेपी तथा कंप्यूटर एप्लीकेशंस सहित विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। समारोह में प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथियों, विशिष्ट शिक्षाविदों, उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तित्वों, गौरवान्वित अभिभावकों तथा उत्साहित विद्यार्थियों की उपस्थिति ने इसे अत्यंत प्रेरणादायक और स्मरणीय बना दिया। समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलाधिपति प्रो. बनानी चक्रवर्ती ने की। इस अवसर के मुख्य अतिथि प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, नेशनल एजुकेशनल टेक्नोलॉजी फोरम एवं कार्यकारी समिति के अध्यक्ष, नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (NAAC) रहे। उन्होंने दीक्षांत भाषण प्रदान करते हुए नवस्नातकों को नवाचार, सत्यनिष्ठा और आजीवन शिक्षण के महत्व पर प्रेरणादायक विचारों से प्रोत्साहित किया। अपने प्रेरक संदेश में प्रो. बनानी चक्रवर्ती ने स्नातकों को बधाई देते हुए नैतिक नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व और दृढ़ता के महत्व पर बल दिया। पीएच.डी. की उपाधियाँ और स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे ने विद्यार्थियों को आजीवन शिक्षार्थी बने रहने और तीव्र गति से बदलते तकनीकी परिवेश के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा दी।

वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) बिस्वजॉय चटर्जी ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, शोध प्रकाशनों, प्लेसमेंट, उद्योग सहयोग, पेटेंट तथा वैश्विक पहुंच में उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला। प्रो. (डॉ.) सत्यजीत चक्रवर्ती, प्रो-कुलपति, यूईएम जयपुर ने विद्यार्थियों को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहते हुए मूल्यों से जुड़े रहने का संदेश दिया। कुलसचिव प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा ने दीक्षांत समारोह को परिश्रम, समर्पण और शैक्षणिक उत्कृष्टता का गौरवपूर्ण उत्सव बताया। उन्होंने समारोह के सफल आयोजन हेतु यूईएम परिवार के सभी सदस्यों के समन्वित प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।11वें दीक्षांत समारोह विभिन्न विषयों–इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फिजियोथेरेपी, कंप्यूटर एप्लीकेशंस और शोध–में कुल 393 उपाधियाँ प्रदान की गईं। विश्वविद्यालय ने 6 पीएच.डी. उपाधियाँ प्रदान कर उत्कृष्ट शोध योगदानों को सम्मानित किया। साथ ही 17 स्वर्ण पदक मेधावी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रदान किए गए।

शर्मा वेदमृतम उत्कृष्टता पुरुस्कार से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इंजीनियर कुलदीप शर्मा, वैदिक ज्योतिषी और केपी विशेषज्ञ, को ज्योतिष के विकास में उनके योगदान के लिए श्री वेदमृतम संस्थानम जयपुर फाउंडेशन, जयपुर के संस्थापक पंडित दिलीप के अवस्थी द्वारा "वेदमृतम उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। उन्होंने उन्नत केपी ज्योतिष के उप-चंद्रमा संबंध सिद्धांत द्वारा जन्म समय सुधार पर अपना भाषण दिया। फिल्म अभिनेत्री और ज्योतिषी आयुष्मान दीक्षित को भी इस कार्यक्रम के दौरान ज्योतिष सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्होंने जयपुर में आयोजित टैरो कार्ड के माध्यम से भविष्यवाणियों के संबंध पर अपना भाषण दिया।

देवनानी से पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने की शिष्टाचार भेंट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मंगलवार को विधानसभा भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने विधानसभा की गरिमा, संसदीय मूल्यों तथा लोकतांत्रिक मर्यादाओं को सुदृढ बनाए रखने में विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ जनभावनाओं को प्रभावी रूप से अभिव्यक्ति मिलती है। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने भी पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए प्रदेश के विकास, सुशासन एवं जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर संवाद को लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा बताया। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों का उद्देश्य प्रदेश की प्रगति और आमजन के हितों की रक्षा करना होना चाहिए।

परमेश्वर भट्ट, राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्म जागरण समन्वय का 59वां जन्मदिन संस्कृति अनुरूप मनाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जय हिंद शुभकामना ग्रुप जयपुर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय वंशावली संरक्षण एवं संवर्धन संस्थान प्रकल्प धर्म जागरण समन्वय के अध्यक्ष परमेश्वर भट्ट का 59 वॉ जन्मदिन हिंदू संस्कृति के अनुरूप वैदिक मित्रों के साथ दीपदान, पुष्प वर्षा कर संत बाबा मैहर दास मंदिर मुरलीपुरा में मनाया गया। कार्यक्रम में संस्था प्रधान लाल आर साधवानी,मेहर दास ट्रस्ट अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी ने रोली चावल से तिलक कर पगड़ी, माला, अंग वस्त्र पहनकर सभी मनोकामना पूर्ण होने का आशीर्वाद दिया, ग्रुप संयोजक नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि हमारे ऐसे कार्यक्रमो के माध्यम से नई पीढ़ी में हमारी संस्कृति की जानकारी एवं महत्व को जन-जन तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। परमेश्वर जी के भंडारा प्रशादी मे मेहरदास मन्दिर एवं दृस्टि हीन आश्रम मे भंडारा प्रशादी कार्यक्रम में करीब 275 भक्तो ने प्रसादी ग्रहण की। एडवोकेट नरेश ब्रह्म भट्ट लखन कुमार, रिचा, पूजा, आर्यन, कबीर, मनस्वी, रोहित, बेबी देवी मित्र परिवार एवं कन्हैया लालवानी शशि हर रामानी शंकर लाल शर्मा ने कार्यक्रम में भाग लिया।

विराज फाउंडेशन करेगा 2 अप्रैल से श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में 2 अप्रैल से 8 अप्रैल तक राजविलास गार्डन, जयपुर रोड, चोमू में श्रीमद्भागवत कथा रस महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस पावन आयोजन के लिए फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी, शिक्षा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह सोलंकी सहित अन्य पदाधिकारियों ने श्रीधाम वृंदावन पहुंचकर सुप्रसिद्ध, यशस्वी और अनुभवी भागवत प्रवक्ता पूज्य परम श्रद्धेय श्री सुमंत कृष्ण शास्त्री जी महाराज से सादर भेंट की और उन्हें कथा वाचन हेतु आमंत्रित किया। फाउंडेशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश कुमार कुमावत एवं जयप्रकाश तिवाड़ी ने बताया कि इस कथा महोत्सव का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना का जागरण करना और धर्म, भक्ति एवं संस्कारों का प्रसार करना है।

बजट घोषणा के तहत

2450 दिव्यांग जन को स्कूटी वितरित राज्य सरकार ने की मस्कुलर डिस्ट्रोफी के पीड़ितों को इलेक्ट्रिक व्हील चेयर देने की पहल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजन के कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पहली बार मस्कुलर डिस्ट्रोफी से पीड़ितों को इलेक्ट्रिक व्हील चेयर का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के पहले ही बजट में दिव्यांजन के लिए 2000 स्कूटियों की घोषणा की गई थी। जिन्हें वितरित किया जा चुका है। बजट वर्ष 2025-26 में एप्रोप्रिएशन बिल के रिप्लाई में स्कूटियों की संख्या को बढ़ा कर 2500 किया गया था। इनमें से 2450 स्कूटियों का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शेष 50 स्कूटियों का वितरण भी आगामी 31 मार्च से पहले कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बजट घोषणा अन्तर्गत मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना तथा विधायक निधि कोष से दिव्यांगजन को स्कूटी वितरण करने का प्रावधान है। विधायक निधि से स्कूटी देने का कार्य जिला परिषद के द्वारा स्वीकृत से किया जाता है।

मंत्री गहलोत ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र बगरू में विधायक निधि के तहत 30 जून 2026 तक दिव्यांगजनों को 20 स्कूटियों का वितरण करवा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र बगरू से 20 स्कूटी की विधायक कोष से अभिशंसा की गई है। इसमें 17 दिव्यांगजन ने स्कूटी के लिए आवेदन किया है। इनमें से 15 दिव्यांगजन के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होने से स्कूटी का वितरण अब तक नहीं किया जा सका है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री गहलोत प्रश्नकाल के दौरान सदस्य कैलाश चन्द वर्मा द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों को स्कूटियां वितरित करने के लिए पारदर्शी तरीके से ऑनलाइन टेंडर कर न्यूनतम दरों पर स्कूटियां खरीदी गई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्कूटी की दरों के निर्धारण में किसी भी अधिकारी की भूमिका नहीं होती है। इससे पहले विधायक वर्मा के मूलप्रश्न के लिखित जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निदेशालय विशेष योग्यजन के प्रदेश में बजट घोषणा अन्तर्गत स्कूटी वितरण किया जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना तथा विधायक निधि कोष से स्कूटी वितरण का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने विगत 5 वर्षों में विधायक कोष से बगरू में स्कूटी हेतु की गई अनुशंसा तथा वितरित की गई स्कूटी का विवरण भी पटल पर रखा।

आपनो श्री श्याम नव मंडल परिवार शास्त्री नगर एवं विद्याधर नगर द्वारा जयपुर से खाटू श्याम जी की 17वीं पदयात्रा रवाना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बड़ी धूम धाम से निकली जिसमें काफी भक्त झूम कर नाचते हुए बाबा श्याम के जय कारो से विद्याधर नगर पी एस पैराडाइस पहुंचे और वहां पर 5निर्धन कन्याओं का निःशुल्क विवाह किया गया जिसमें कन्याओं को विधि वत मंत्रोच्चार से फेरे करवाए और उपहार स्वरूप सभी जरूरी सामान एवं आभूषण दिये गये और भंडारा किया गया शाम को बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया गया जिसमें सभी भजन गायकों ने निःशुल्क भजन गाकर बाबा श्याम को रिझाया। जिसमें कन्याओं ने एवं वरों ने खूब नाच गा कर बाबा का आशीर्वाद पाया समिति के अध्यक्ष महावीर कुमावत ने बताया कि 5वर्ष पहले वो काफी पैसे देकर भजन गायकों को बुलवा कर भजन करवाते थे जिसमें काफी खर्च होता था उस पैसे को सही जगह समाज कार्य में लगाने का प्रयास किया जिसमें पदयात्रा के साथ निःशुल्क कन्याओं का विवाह करने का प्रण मंडल के सभी सदस्यों द्वारा लिया गया जिससे बेटी के पिता के बेटी के विवाह का कर्ज ना हो यह कार्यक्रम कर पदयात्रा 4 दिवसीय खाटू के लिए पदयात्रा रवाना हुई यात्रा में यात्रियों के लिए भोजन नाश्ता दूध रात्रि विश्राम की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी।

डॉ. अनुराग धाकड़ ने की टाटा अल्ट्रा मैराथन पूर्ण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सवाई मान सिंह चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग के सीनियर प्रोफेसर एवं इकाई प्रमुख डॉ अनुराग धाकड़ (भूतपूर्व नोडल अधिकारी ट्रॉमा सेंटर) ने पुणे के लोनावाला में आयोजित टाटा अल्ट्रा मैराथन पूर्ण की। इस मैराथन में पहाड़ों पर 50 किमी दौड़ना होता है। डॉ अनुराग धाकड़ 12 से अधिक फुल मैराथन (42 किमी) एवं 20 से अधिक हाफ मैराथन (21 किमी) अब तक दौड़ चुके हैं।

एम्प्रेस क्लब द्वारा भव्य होली उत्सव आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एम्प्रेस क्लब की ओर से इस वर्ष होली का पर्व बड़ी श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ गोविंद देव जी मंदिर में मनाया गया। सभी महिलाओं ने ठाकुर जी के रंग में रंगकर गुलाल और फूलों से होली खेली तथा भजन-कीर्तन के साथ आध्यात्मिक वातावरण में त्योहार का आनंद लिया। क्लब की फाउंडर खुशबू शर्मा ने बताया कि, "हम होली जैसे पावन पर्व को भगवान के सान्निध्य में मनाकर प्रेम, एकता और सकारात्मकता का संदेश देना चाहते हैं। ठाकुर जी के साथ रंगों की होली खेलना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।" कार्यक्रम में दीपम, हर्षिता, कुसुम, मीनाक्षी, रुचि, सीमा, शिपा, श्वेता, साधना सहित अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंदिर में उत्सव के बाद सभी सदस्यों ने मिलकर मूवी सेलिब्रेशन भी किया, जिससे दिन और भी यादगार बन गया। एम्प्रेस क्लब द्वारा आयोजित यह होली उत्सव महिला एकता, सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिकता का सुंदर संगम रहा।

डॉ मोनिका बेस्ट फीमेल फीलांस जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड 2026 से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से नई दिल्ली के प्यारेलाल भवन (पीएलबी) ऑडिटोरियम में मीडिया एक्सीलेंस अवार्ड 2026 सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए 20 चयनित पत्रकारों को पत्रकारिता क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियों में अवार्ड से नवाजा गया। इसी कड़ी में जयपुर राजस्थान से इस साल का बेस्ट फीमेल फ्रीलांस जर्नलिस्ट ऑफ द इयर अवार्ड डॉ मोनिका शर्मा को दिया गया। यहां फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण शर्मा राजस्थान से फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष आनन्दपाल तोमर ने अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की और फेडरेशन के किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही फेडरेशन की पूरे देश से आई कार्यकारिणी सदस्यों का भी सम्मान किया। यहां दूर दराज से आए पत्रकारों का मीडिया कार्यों क्षेत्र के योगदान को सराहा और उन्हें विभिन्न श्रेणियीं में एक्सीलेम्स अवार्ड से सम्मानित भी किया गया।

इन दिनों आप होली की तैयारी कर रही होंगी। साफ-सफाई, डिशेज और गिफ्ट की भी प्लानिंग में बिजी होंगी। लेकिन क्या आपने होली पार्टी में पहनने के लिए ड्रेस का सेलेक्शन कर लिया है? अगर नहीं तो हम आपको कुछ बेहतरीन ट्रेडिशनल ड्रेस ऑप्शंस के बारे में बता रहे हैं। इनमें से कोई भी आप सेलेक्ट कर सकती हैं।

कलरफुल फेस्टिवल में छाए ट्रेडिशनल ड्रेसेस की बहार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

होली आने में अब एक सप्ताह से भी कम का समय रह गया है। जाहिर है, आप इसकी तैयारी में बिजी होंगी। लेकिन अपनी व्यस्तता के बीच होली पार्टी में अपने ड्रेसअप लुक की तैयारी करना मत भूलिएगा। इस मौके पर ट्रेडिशनल ड्रेसेस ही फबती हैं। आपकी हेल्प के लिए हम आपको कुछ फेस्टिव ड्रेस ऑप्शंस जैसे-धोती-कुर्ता सूट, साड़ी, अनारकली और लाइट फैब्रिक लहंगा के बारे में बता रहे हैं। अब इनमें से जो आपको जंचे, अपने लिए चुन लीजिए।

लॉन्ग अनारकली देगी अलग ग्रेस

ज्यादातर यंग एज महिलाओं को साड़ी पहनकर काम करने या फेस्टिवल एंज्वॉय करने में कंफर्ट फील नहीं होता है। ऐसे में सूट्स में अनारकली सूट भी इस मौके के लिए अच्छा ऑप्शन है। यह ट्रेडिशनल ड्रेस होते हुए भी आपको अलग ग्रेस देती है। इसे पहनना आसान होता ही है, इसमें आपका लुक फेस्टिव नजर आता है। इनमें काफी वैरायटीज आपको मार्केट में मिल जाएंगी। यदि वर्क की बात की जाए तो इनमें प्रिंटेड से लेकर हैवी एंब्रॉयडरी तक की बहुत बड़ी रेंज मिल जाएगी। आपको चुनाव वही करना चाहिए, जो आप पर सूट करे और फेस्टिवल के अकॉर्डिंग हो।

स्टाइलिश धोती-कुर्ता सूट

आमतौर पर फेस्टिवल्स में ट्रेडिशनल ड्रेसेस पहनना ही जंचता है। आप चाहें तो नॉर्मल सलवार-सूट के बजाय धोती-कुर्ता सूट को कैरी कर सकती हैं। इसे पहनकर आप ट्रेडिशनल लुक में भी काफी स्टाइलिश नजर आएंगी। इस ड्रेस में लोअर साइड में धोती स्टाइल में सलवार होती है, जिसे काफी स्टाइलिश तरीके से बनाया जाता है। ऊपर की तरफ कुर्ता थोड़ा शॉर्ट और ए लाइन स्टाइल में होता है। यह पेयरिंग बेहद खूबसूरत नजर आती है। कुर्ते पर गोटा पत्ती का वर्क किया हुआ होता है, जो इसकी सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसे अपने लिए सेलेक्ट करते समय आप थोड़े ब्राइट कलर का ही फैब्रिक लें, इससे आपको फेस्टिव वाली फीलिंग आएगी।

डिफरेंट लाइट लहंगा

अगर आपका मन कुछ डिफरेंट लेकिन ट्रेडिशनल पहनने का है तो आप लहंगे को भी इस मौके के लिए चूज कर सकती हैं। लेकिन लहंगा सेलेक्ट करते समय लाइट वेटेड फैब्रिक लेना सही रहता है, क्योंकि ज्यादा हैवी आप पहनेंगी तो अच्छा लुक नहीं आएगा। साथ ही आपका पूरा ध्यान उसे संभालने में ही लगा रहेगा, होली आप एंज्वॉय नहीं कर पाएंगी। लाइट फैब्रिक वाले लहंगे में आप बहुत अट्रैक्टिव नजर आएंगी। आप चाहें तो अपनी किसी लाइट फैब्रिक साड़ी से भी लहंगा डिजाइन करवा सकती हैं, लेकिन साड़ी का कलर ब्राइट होना चाहिए। इससे आपकी साड़ी का नए रूप में इस्तेमाल भी हो जाएगा।

अलग-अलग वैरायटीज वाली साड़ी

अगर आप होली की पार्टी में साड़ी पहनने की इच्छुक हैं तो इसमें भी कई ऑप्शंस आपके पास हैं। वैसे भी ट्रेडिशनल ड्रेसेस में साड़ी का कोई मुकाबला ही नहीं है। फेस्टिव ऑकेजन को देखते हुए इन दिनों साड़ी में काफी वैरायटीज उपलब्ध हैं। आप इस तरह की साड़ी पहन सकती हैं, जिसमें साड़ी का बेस कलर सफेद या क्रीम हो। उस पर अगर प्रिंट्स हों तो और भी खूबसूरत नजर आएगी। लाइट कलर बेस पर कलर्ड प्रिंट से एक अलग ही लुक आता है। उनमें आप फ्लावर प्रिंट या फिर किसी भी अट्रैक्टिव प्रिंट की साड़ी ले सकती हैं। होली पर इस तरह की साड़ी अट्रैक्टिव दिखेगी।

भाजपा सदस्य ने सीएम से की उच्च स्तरीय जांच की मांग

पिण्डवाड़ा पंचायत समिति में 50 करोड़ की अनियमितता का आरोप

क्या पिण्डवाड़ा प्रधान नितिन बंसल इससे अनजान है?

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। जिले की पिण्डवाड़ा पंचायत समिति एक बार फिर विवादों में है। पंचायत समिति सदस्य पवन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर करीब 50 करोड़ रुपये से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। खास बात यह है कि शिकायत सत्तारूढ़ दल भाजपा के ही जनप्रतिनिधि ने की है, जिससे मामला राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तर पर गंभीर हो गया है। अग्रवाल ने स्वच्छता, मनरेगा, टाइड-अनटाइड फंड और विभिन्न सिविल कार्यों में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि पंचायत समिति स्तर पर भारी राजस्व हानि हुई है।

अपनों पर ही सवाल, जिम्मेदार कौन?

मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि अनियमितताएं हुई हैं तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है..? क्या पंचायत समिति प्रधान को इसकी जानकारी थी..? क्या विकास अधिकारी (बीडीओ) ने वित्तीय और प्रशासनिक कार्यों की निगरानी नहीं की..? चूंकि शिकायतकर्ता और जिम्मेदार पदों पर बैठे जनप्रतिनिधि एक ही दल से जुड़े बताए जा रहे हैं, ऐसे में यह मामला राजनीतिक जवाबदेही की कसौटी बन गया है।

गुड गवर्नेंस के दावों पर प्रश्न

भाजपा सरकार स्वयं को सुशासन और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का प्रतीक बताती रही है। ऐसे में सत्ताधारी दल के ही प्रतिनिधि को मुख्यमंत्री तक शिकायत पहुंचानी पड़े, तो यह प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। आमजन में भी चर्चा है कि यदि जनप्रतिनिधि को ही शिकायत करनी पड़ रही है तो आम नागरिकों की सुनवाई कैसे हो रही होगी? और इस भ्रष्टाचार के आरोपों जिम्मेदार कौन फिर.?

कलेक्टर कैंप में अव्यवस्था का आरोप

शिकायत के अनुसार 5 फरवरी 2026 को भावरी क्लस्टर में आयोजित ग्राम उत्थान कलेक्टर कैंप में निर्धारित पंचायतों के अधिकारी सुबह 11 बजे तक मौके पर नहीं पहुंचे। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। आरोप है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी समय पर सूचना नहीं दी गई।

कार्यालय में समयपालन पर सवाल

अग्रवाल ने आरोप लगाया कि पंचायत समिति कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समय सुबह 9:30 बजे के बजाय 11-12 बजे पहुंचते हैं और शाम 4-5 बजे लौट जाते हैं। सीसीटीवी कैमरे और बायोमेट्रिक मशीन बंद करने का भी आरोप लगाया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन में गड़बड़ी का आरोप

शिकायत में स्वच्छ भारत मिशन के तहत 43 पंचायतों में सफाई टेंडरों में अनियमितता का जिक्र किया गया है। आरोप है कि एक ही ठेकेदार को कई पंचायतों का कार्य दे दिया गया, जबकि उसके पास आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं थे।

नरेगा व अन्य योजनाओं में वित्तीय हानि का दावा

वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), टाइड व अनटाइड फंड सहित अन्य योजनाओं में करीब 50 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय हानि का दावा किया गया है। सभी कार्यों के स्वतंत्र ऑडिट और भौतिक सत्यापन की मांग की गई है।

गुणवत्ताहीन निर्माण व शिकायतें बंद करने का आरोप

धनारी ग्राम पंचायत में बनास डेम क्षेत्र में 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित दीवार गिरने का उदाहरण देते हुए सिविल कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि 181 पोर्टल पर की गई शिकायत को बिना ठोस जांच के निस्तारित कर दिया गया।

स्थानांतरण आदेशों की अवहेलना

शिकायत में यह भी कहा गया है कि स्थायी प्रशासन समिति द्वारा जारी कुछ ग्राम विकास अधिकारियों के स्थानांतरण आदेशों की एक वर्ष से पालना नहीं की गई। इसे पंचायतीराज नियमों के विपरीत बताते हुए दोषियों पर सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की मांग की गई है।

जांच के बाद ही खुलेगा सच

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि मुख्यमंत्री स्तर पर इस शिकायत पर क्या निर्णय होता है। क्या उच्च स्तरीय जांच बैठेगी? क्या जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी? पिण्डवाड़ा पंचायत समिति का यह मामला केवल स्थानीय विवाद नहीं, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और राजनीतिक नैतिकता की बड़ी परीक्षा बनता जा रहा है। आरोपों की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी, लेकिन फिलहाल इस घटनाक्रम ने जिले की राजनीति और प्रशासन दोनों में हलचल मचा दी है। और पिण्डवाड़ा पंचायत समिति जिम्मेदारो की कार्यशैली गंभीर सवालों के दायरे में है।

केसरिया रंग में रंगी खाटू नगरी भक्तों की जुबां पर बाबा श्याम का नाम

बाबा श्याम के दर्शन को उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

दिव्य श्रृंगार और भव्य सजावट से सजा बाबा श्याम का दरबार, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

खाटूश्यामजी @ नरेश कुमावत। जन जन के देवता बाबा श्याम के वार्षिक लक्खी मेले के चौथे दिन बाबा श्याम के दर पर देश के कोने कोने से लाखों श्याम भक्त बाबा के शीश नवाकर मन्नत मांग रहे हैं। बाबा श्याम के मंदिर में इस बार की गई नवीन व्यवस्था के चलते श्याम भक्त सुगमतापूर्वक दर्शन कर रहे हैं। सुरक्षा के लिहाज से 6500 पुलिस कर्मियों का जाब्ता तैनात किया है। बाबा श्याम के आने वाले भक्त कतारबद्ध होकर श्याम जयकारे के लगाते हुए बाबा श्याम के दर्शन कर रहे हैं। बाबा श्याम का मुख्य मेला एकादशी को रहेगा 8 दिवसीय फाल्गुन मेले में श्याम भक्तों के लिए 24 घंटे बाबा का दरबार खुला है। वहीं प्रतिदिन अलग अलग सतरंगी फूलों से बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार किया गया है।

श्याम रंग में रंगा खाटू धाम

लक्खी फाल्गुन मेले में लगातार श्याम भक्तों के सिलसिला लगातार जारी है। देश के विभिन्न प्रांतों से श्याम भक्त बाबा श्याम के दर्शन करने के लिए खाटूश्यामजी पहुंच रहे हैं। फाल्गुन मेले में धर्म नगरी बनी खाटू नगरी में चारों तरफ श्याम श्रद्धालु ही श्रद्धालु नजर आ रहे हैं। रींगस से खाटूश्यामजी मार्ग पर श्याम भक्त बाबा श्याम के जयकारों के साथ हाथों में निशान लेकर चंग पर नाचते गाते बाबा के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्री श्याम मंदिर कमेटी व जिला प्रशासन ने इस वार्षिक लक्खी मेले में दिव्यांगों के लिए अलग से व्यवस्था की है । बाबा श्याम का मुख्य मेला एकादशी को रहेगा।

भक्ति और आस्था में डूबी खाटू नगरी

खाटूश्यामजी की पावन धरती श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के रंग में रंगी हुई है. बाबा श्याम के दरबार को विशेष सुगंधित फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से भव्य रूप से सजाया गया है, जिससे हर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो रहा है. बाबा का दरबार ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो. बाबा के दिव्य श्रृंगार में देश-विदेश से मंगवाए गए फूलों का उपयोग किया गया है. श्रद्धालुओं के दर्शन 24 घंटे खुले रहेंगे, केवल भोग और श्रृंगार के समय कुछ क्षणों के लिए पर्दा किया जाएगा भक्तों को 14 अलग-अलग लाइनों में लगाकर दर्शन की सुविधा दी जा रही है, जिससे भीड़ नियंत्रित रहे और सभी को सुगमता से दर्शन का लाभ मिले।

नियम विरुद्ध चल रहे निजी अस्पतालों पर सख्त कार्रवाई

पिंडवाड़ा के वेद ओर्थोपेडीक अस्पताल और रेवदर के करोटी स्थित कृष्णा हॉस्पिटल सीज, दस्तावेजों में मिली गंभीर खामियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। जिले में अवैध रूप से नियम विरुद्ध संचालित निजी अस्पतालों के खिलाफ चिकित्सा विभाग और प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। पिंडवाड़ा में संचालित वेद ओर्थोपेडीक निजी अस्पताल पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सीज कर दिया गया, वहीं रेवदर क्षेत्र के करोटी गांव स्थित कृष्णा हॉस्पिटल को भी दस्तावेजों के अभाव में बंद कर दिया गया। दोनों मामलों में प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेजों के चिकित्सा संस्थान संचालित नहीं होने दिए जाएंगे।

पिंडवाड़ा में वेद ओर्थोपेडीक अस्पताल पर कार्रवाई

पिंडवाड़ा में वेद ऑर्थोपेडिक अस्पताल का निरीक्षण उपखंड अधिकारी नरेंद्र जांगिड़ और ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भूपेंद्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रबंधन बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन से संबंधित लाइसेंस, क्लिनिकल स्थापना के आवश्यक दस्तावेज और अन्य वैधानिक अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में कई खामियां सामने आईं। दस्तावेजों के अभाव में प्रशासन ने अस्पताल को तत्काल प्रभाव से सीज करते हुए प्रबंधन को नोटिस थमाया और समस्त दस्तावेज निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बायो मेडिकल वेस्ट लाइसेंस को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना वैध अनुमति इलाज करना नियमों का उल्लंघन है।

अन्य शाखाओं की भी होगी जांच

जानकारी के अनुसार वेद ओर्थोपेडीक अस्पताल की शाखाएं सिरोही, आबूरोड, स्वरूपगंज और रेवदर क्षेत्र में भी संचालित होने की बात सामने आई है। इन सभी स्थानों पर एक ही डॉक्टर के नाम के बोर्ड और होर्डिंग लगे होने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि यदि एक ही चिकित्सक के नाम से विभिन्न स्थानों पर अस्पताल संचालित हो रहे हैं तो वहां की वास्तविक चिकित्सकीय व्यवस्था और दस्तावेजों की भी गहन जांच की जाएगी। स्वरूपगंज, पिंडवाड़ा और रोहिड़ा क्षेत्र में भी जांच अभियान चलाने की तैयारी है। विभाग ने संकेत दिए हैं कि बिना लाइसेंस चल रहे अन्य क्लीनिक भी रडार पर हैं और शीघ्र ही व्यापक कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई पर उठे सवाल

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आखिर इतने दिनों तक चिकित्सा महकमा मौन क्यों रहा। उपखंड अधिकारी की सतर्कता से कार्रवाई होने की बात सामने आ रही है, वहीं यह भी प्रश्न उठ रहा है कि यदि छह माह में केवल सात कार्रवाइयां हुई हैं तो क्षेत्र में संचालित अन्य अवैध क्लीनिकों पर सख्ती क्यों नहीं की गई। बीसीएमएचओ डॉ. भूपेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि पिछले छह माह में सात कार्रवाइयां की गई हैं, जो काफी नहीं है।

में कृष्णा हॉस्पिटल सीज

रेवदर चिकित्सा विभाग ने भी करोटी गांव स्थित कृष्णा हॉस्पिटल पर कार्रवाई करते हुए उसे सीज कर दिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी के निर्देश पर कार्यवाहक बीसीएमओ डॉ. मुकेश कुमार मीना ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जांच में अस्पताल प्रबंधन वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। विभाग ने तत्काल प्रभाव से अस्पताल को सीज कर दिया। जिला कलेक्टर द्वारा गठित उपखंड स्तरीय टीम मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उत्साह से मनाया गोवर्धन पीठाधीश्वर महाराज श्रीकृष्णदास कंचन महाराज का जन्मोत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

खटकड़- आन्योर- गोवर्धन। परमपूज्य गोवर्धन पीठाधीश्वर महाराज श्रीकृष्णदास कंचन महाराज का जन्मोत्सव 22 फरवरी को धूमधाम से मनाया गया। गोलोकवासी महाराज श्रीकृष्णदास कंचन महाराज का कई शहरों और आश्रमों में जन्मोत्सव मनाया जाता है जिनमें मुख्य रूप से राजस्थान में गेंडोली खटकड़ के पास द्वादश ज्योतिर्लिंग कंचनधाम, उत्तर प्रदेश के गोवर्धन स्थित रामानंद आश्रम और गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में आन्यौर के कंचनधाम में विशेष रूप से मनाया गया। इस मौके पर गुरुदेव प्रतिमा के समक्ष 56 भोग की झांकी भी सजाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री कंचन धाम सेवा संस्थान द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग कंचनधाम में 21 फरवरी को रात्रि में सुन्दर कांड पाठ एवं 22 फरवरी को भजनसंध्या व भंडारा प्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं गोवर्धन स्थित आन्योर आश्रम में भी महाराज श्री का जन्मोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। इसी प्रकार रामानंद आश्रम से रामअनुग्रहदास महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि महाराज श्री कृष्णदास कंचन महाराज का 22 फरवरी को श्री कंचन बाला हनुमान जी मंदिर श्री शंकर राज कुटी पर प्रातः10 बजे हनुमान जी को अभिषेक चोला और सहस्त्राचन किया गया। श्री धुर्व जी व्यास द्वारा 3 बजे से 6 बजे तक संगीत मय सुंदर कांड पाठ और सायंकाल भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया।

महिला-पुरुष दल ने ली उन्नत पशुपालन की जानकारी

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर ने कराया 15 महिला एवं 14 पुरुष किसानों दो दिवसीय भ्रमण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भाकृअनुप-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर, तहसील-मालपुरा जिला-टोंक (राजस्थान) द्वारा भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना मे चयनित राजस्थान राज्य के टोंक एवं भीलवाड़ा जिले के 15 महिला एवं 14 पुरुष किसानो के पहले समूह ने 21 से 22 फरवरी बीकानेर जिले मे राष्ट्रीय ऊट अनुसन्धान संस्थान, अश्व अनुसन्धान क्षेत्रीय केंद्र,राजुवासु वेटरनरी विश्वविधालय के थारपारकर गाय, स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविधालय की मशरूम उत्पादन इकाई, मुर्गीपालन, सिरोही बकरी पालन, दुम्बापालन, एवं अन्य पशु इकाई के संचालित फार्म को कृषि विश्वविधालय के सहायक प्रोफेसर डॉ शंकर लाल खीचड़ द्वारा भ्रमण के साथ विस्तृत जानकारी के साथ अवलोकन कराया गया। इसी प्रकार ऊट संस्थान निदेशक डॉ वी पी पुनिया, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली से पधारे डॉ अजित सिंह यादव सहायक महानिदेशक कृषि शिक्षा विभाग, प्रधान वैज्ञानिक डॉ वेदप्रकाश, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ बसंती ज्योत्सना द्वारा भी संवाद के साथ जोड़बीड क्षेत्र में स्थित ऊट एवं अश्व के म्यूजियम, पशु फार्म का जानकारी के साथ अवलोकन कराया। साथ में अविकानगर संस्थान के मरूक्षेत्रीय क्षेत्रीय केंद्र प्रधान वैज्ञानिक डॉ आशीष चोपड़ा, अजय मीना द्वारा परिसर के अवलोकन के साथ किसानो को भ्रमण कराया। सभी बीकानेर मे भ्रमण कराने वाले वैज्ञानिको निदेशक की ओर डॉ अमरसिंह मीना, महाराम मीना, हनुमान सहाय मीना, हेमा मीना एवं किसानो ने ने राजस्थान परंपरा मे स्वागत किया।

बीकानेर से रवाने के दौरान देशनोक करणी माता, मुकाम विश्नोई समाज का मुख्य तीर्थस्थान, रेते के धोरो मे स्थित समराथल स्थान, नागौर मे सस्थित कृष्ण विश्वस्तरीय गौशाला का भ्रमण के करते हुई रात 2.30 बजे किसान मालपुरा पहुंच। पहुंचने पर तीनो गाड़ी के वाहन चालक का भी सम्मान निदेशक की ओर से किया गया।

निदेशक डॉ अरुण कुमार भी बीकानेर भ्रमण के सभी संस्थान निदेशक के संपर्क में रहे आवश्यक व्यवस्था करते रहे अविकानगर टीम द्वारा बीकानेर विश्वविधालय कुलगुर, निदेशक प्रसार शिक्षा, एवं अन्य सहयोगी का निदेशक की ओर से धन्यवाद के साथ आभार पधारे किसान एवं टीम द्वारा प्रकट किया गया। अविकानगर के मीडिया प्रभारी डॉ अमरसिंह मीना ने दी जानकारी।

गौशालाओं की तर्ज पर चारा-गुड़ की हो आर्थिक मदद

भ्रमण कोऑर्डिनेटर डॉ अमरसिंह मीना द्वारा थारपारकर गाय फार्म पर गाय माता की सेवा एवं पुण्य हेतु डॉ शंकर लाल खींचड़ को बाहरी लोगो को अन्य गौशाला की तर्ज पर वहां चारा एवं गुड़ आदि खिलाने, अन्य वित्तीय मदद से कुछ पशु को उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। जिससे लोग को गाय के प्रति सेवा का मौका मिले एवं फार्म को वित्तीय मदद मिले एवं शोध भी प्रभावित ना हो। इसमें चारा, दाना, गुड़ सब सरकारी फार्म के अंदर से ही उपलब्ध हो। इसमें केवल व्यक्ति इसका भुगतान करके वहीं से लेकर वहीं खिला सके। ओर गाय के फार्म को सही से चलने, बुनियादी सुविधा, पशुओ के क्वालिटी पोषण के लिए रिसर्च सेंटर को फण्ड मिलने में मदद मिल सकेगी।

"राष्ट्रीय समन्वय समिति" का गठन नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन से संबद्ध प्रकोष्ठ "अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल कल्याण कोष" की "पंच अग्र कल्याण योजनाओं" क्रमशः अग्र शिक्षा कल्याण योजना, अग्र लाडली विवाह योजना, अग्र स्वास्थ्य कल्याण योजना, अग्र वरिष्ठ कल्याण योजना, एवं अग्र आपदा कल्याण योजना, के माध्यम से समाज के जरूरतमंद बंधुओं को सहायता की जाना आशयित है। उन्होंने स्पष्ट किया "अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल कल्याण कोष" के देशव्यापी सुदृढ़ीकरण एवं प्रभावी संचालन हेतु संस्था द्वारा समस्त प्रदेशों में उपरोक्त कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार, पारस्परिक समन्वय तथा सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के उद्देश्य से "राष्ट्रीय समन्वय समिति" का गठन करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

उन्होंने संस्था के समस्त राष्ट्रीय, प्रांतीय, जिला स्तरीय पदाधिकारीगण, सदस्यगण एवं भारतवर्ष के समस्त समर्पित, सेवाभावी, सक्रिय अग्र बंधुओं से आह्वान किया- "वे इस राष्ट्रीय समन्वय समिति में सेवा प्रदान करने हेतु सहर्ष अपना नाम, संस्था के राष्ट्रीय चेयरमैन (अग्र कार्य योजना) जगदीश प्रसाद अग्रवाल, मो - 94241 67831 के समक्ष, दिनांक 28 फरवरी 2026 संध्या 5 बजे तक प्रेषित करने का अनुरोध है।"

पटवारी भर्ती परीक्षा के 65 सफल अभ्यर्थियों को जयपुर जिले में मिली नियुक्ति

24 एवं 25 तक दस्तावेज सत्यापन, 26 फरवरी से सिवाना में प्रशिक्षण प्रारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। निबन्धक, राजस्व मण्डल, राजस्थान, अजमेर के निर्देशानुसार पटवारी भर्ती परीक्षा 2025 में अंतिम रूप से चयनित 65 अभ्यर्थियों को बालोतरा जिला आवंटित किया गया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान ने बताया कि इन अभ्यर्थियों को राजस्थान लैण्ड रेवेन्यू एवं राजस्थान राजस्व अधीनस्थ सेवा नियम, 2019 के अंतर्गत बालोतरा जिले के रिक्त पटवार पदों पर दो वर्ष के परिवीक्षाकाल हेतु अस्थाई रूप से नियुक्त किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को 24 एवं 25 फरवरी तक जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय, बालोतरा में मूल दस्तावेज, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र एवं पुलिस सत्यापन रिपोर्ट सहित उपस्थित होना होगा। 6 माह का अनिवार्य पटवार प्रशिक्षण औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सिवाना में 26 फरवरी को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा। निर्धारित अवधि में उपस्थित नहीं होने वाले अभ्यर्थियों के संबंध में अग्रिम कार्यवाही हेतु सूचना राजस्व मण्डल, अजमेर को प्रेषित की जाएगी।

गुलदस्ता भेंट कर किया अभिनन्दन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह की राष्ट्रीय संयोजिका, केंद्रीय पर्यवेक्षक दिल्ली प्रदेश इकाई एवं AAS वैवाहिक प्रकोष्ठ की वाइस चेयरमैन उमा बंसल संग राधेश्याम अग्रवाल अपने लुधियाना प्रवास के दौरान अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन पंजाब प्रदेश इकाई अध्यक्ष महेश गुप्ता के अनुरोध पर जालंधर निजी निवास पर कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बुद्धिश अग्रवाल एवं उपस्थित सभी पदाधिकारिगण एवं अमृतसर, जालंधर एवं बटाला से पधारे।

सदस्य अन्नु अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, रेखा गुप्ता, सुनीता रानी, अनीता गोयल, मनीषा जैन, सोनाली गुप्ता, स्नेह गुप्ता, ममता गुप्ता ने अंग वस्त्र गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया। इस मीटिंग में बुद्धिस्ट अग्रवाल के मार्ग निर्देशन में और महेश गुप्ता के सहयोग और प्रयास से आज बटाला जिला एवं जालंधर कैंट जिला इकाई की सहर्ष घोषणा भी हुई आज के इस गरिमामई कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने इच्छा व्यक्त कि की साल में एक बार सभी प्रदेशों में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक अवश्य होनी चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक एवं तृतीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह कार्यक्रम के आयोजन हेतु भी विचार विमर्श हुआ सभी सम्माननीय सदस्यों के उत्साह से आज मुझे बहुत खुशी हुई आज लग रहा था कि हमारे अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने इतने सारे मोतियों को एक माला में पिरोने का जो प्रयास किया मन गदगद हो गया और आज अपना AAS का विस्तार कितनी दूर दूर हुआ, आज मुझे प्रतीत हुआ आज के इस आयोजन के लिए महेश गुप्ता बुद्धिश अग्रवाल एवं सभी पदाधिकारियों सदस्यों का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद आभार।

किसान दिलीप नवोन्मेषी पुरस्कार

जैसलमेर @ जागरूक जनता। जिले के प्रगतिशील किसान दिलीप सिंह गहलोत को 25 फरवरी से पूसा परिसर में आईएआरआई, नई दिल्ली द्वारा पूसा कृषि विज्ञान मेले में नवोन्मेषी किसान पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। यह पुरस्कार 27 फरवरी को मेला समापन समारोह में अतिथियों के द्वारा प्रदान किया जायेगा।

बालोतरा पुलिस का अपना गाँव-अपनी जिम्मेदारी कार्यक्रम कल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। बालोतरा पुलिस द्वारा "अपना गांव, अपनी जिम्मेदारी" अभियान के अंतर्गत 24 फरवरी को दोपहर 3 बजे से कीटनोद गांव, थाना जसोल क्षेत्र में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस पहल में बीट कांस्टेबल से लेकर पुलिस अधीक्षक स्तर तक के अधिकारीगण ग्रामवासियों के बीच उपस्थित होकर सक्रिय रूप से भाग लेंगे तथा जनसंवाद के जरिये सीधे संवाद स्थापित करेंगे। कार्यक्रम में संगीत एवं नाट्य माध्यम से नशे के दुष्परिणामों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा, जिससे युवाओं एवं आमजन को नशे से दूर रहने की प्रेरणा मिले।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संघटक सामुदायिक एवं व्यवहारिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का आयोजन 17 से 23 फरवरी तक किया गया। शिविर के समापन पर कॉलेज डीन डॉ धृति सोलंकी ने कहा की इस प्रकार के शिविर आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, सामुदायिक भागीदारी, नेतृत्व के गुण और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सहायता करने की क्षमता को विकसित करना है । युवाओ को समाज एवं राष्ट के प्रति समर्पित भाव से कार्य करना चहिये। उन्होंने शिविर में स्वयंसेवको द्वारा किये गए कार्यो की सराहना की। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ मोनिका राय ने शिविर की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

महाराज अग्रसेन के आदर्शों को आत्मसात करना चाहिए-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, मृदुभाषी सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करने वाले, सुख दुख के साथी राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, महाराष्ट्र प्रदेश इकाई अध्यक्ष रामचरण बंसल का स्वागत करने का सौभाग्य मिला। उनकी उपस्थिति में हमें अग्रवाल समाज और सामाजिक संगठनों पर गहन चर्चा का अवसर मिला। महाराज अग्रसेन के आदर्शों पर चर्चा हुई और सभी अग्रवाल बंधुओं के उत्थान पर विचार हुए। स्वागत में अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के सक्रिय कर्मठ सदस्य एवं अग्रवाल सभा रुद्रपुर के अध्यक्ष अर्जुन गुप्ता, संरक्षक तारा चंद अग्रवाल, युवा संगठन के अध्यक्ष ओम अग्रवाल और एडवोकेट प्रमोद मित्तल भी उपस्थित रहे। हम सभी ने मिलकर उनका दिल से स्वागत किया।

विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों पर स्वास्थ्य मेले का प्रचार-प्रसार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बांसवाड़ा जिले में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा जिले के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर हेल्थ वेलनेस केंद्रों पर जिले में आयोजित होने वाले हेल्थ मेलो के संबंध में माईकिंग प्रचार प्रसार का कार्य किया जा रहा है।

विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों के क्षेत्र में आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेले की पूर्ण जानकारी व मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी माइकिंग के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जा रही है। विकल्प इंडिया सोसाइटी के कोऑर्डिनेटर गौरव कुमार मिश्रा ने बताया कि सोसाइटी व विभाग द्वारा स्थानीय भाषा में माईकिंग करवाई जा रही है जिससे इन स्वास्थ्य मेलों में लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस आयोजन में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बांसवाड़ा के अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिल रहा है। विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के अध्यक्ष संजय कटारा ने बताया कि सोसाइटी के द्वारा प्रत्येक ब्लॉक में अलग-अलग टीमों द्वारा माइकिंग का कार्य पूर्ण जिम्मेदारी से किया जा रहा है ताकि जिले के समस्त क्षेत्र के जनसमुदाय को सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ मिल सके।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म — दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

- सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों संग की चर्चा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बालोतरा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में 27 अक्टूबर 2025 को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 कार्यक्रम घोषित किया गया था, जिसके अन्तर्गत 04 नवंबर 2025 से 11 दिसंबर 2025 तक गणना चरण के उपरान्त 16 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया था, जिसमें बालोतरा जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 7,82,865 थी। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवनेश्वर सिंह चौहान ने विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के बैठक के दौरान बताई।

उन्होंने बताया कि आयोग कार्यक्रम अनुसार 16 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त किये गये। इस अवधि में जिले बालोतरा में 21,387 फॉर्म-6/6, 2682 फॉर्म-7 तथा फॉर्म-8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दावे एवं आपत्तियों हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की सूची फॉर्म 9, 10, 11. 11ए और 11 बी में तैयार की गई और ऐसी सूचियों की एक प्रति उनके कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रत्येक कार्य दिवस को प्रदर्शित की गई। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा प्रति सप्ताह प्राप्त होने वाले दावे एवं आपतियों की सूचियां मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से साझा की गई। यह सूचियाँ जिला निर्वाचन अधिकारी / मुख्य निर्वाचन अधिकारी की बेवसाइट पर भी ऑनलाइन उपलब्ध होने बाबत जानकारी प्रदान की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पूर्व में प्राप्त समस्त फॉर्म तथा दावे-आपत्तियाँ प्राप्त करने की अवधि 16 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 में प्राप्त समस्त दावे-आपत्तियों का निस्तारण निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा किया जाकर आज 21 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अन्तिम प्रकाशन किया गया। इस प्रकार जिले में प्रारूप मतदाता सूची में कुल 7,65,222 मतदाताओं में 2.31 प्रतिशत वृद्धि के उपरान्त कुल मतदाताओं की संख्या 7,82,865 है, जिनमें पुरुष 4,15,073, महिला 3,67,790 तथा ट्रांसजेण्डर 2 है। उन्होंने बताया कि मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूची - 2026 की एक सॉफ्ट कॉपी (फोटो रहित) एवं एक हार्ड कॉपी निःशुल्क संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के स्तर पर बैठक आयोजित कर उपलब्ध कराई गई। यह सूचियाँ जिला निर्वाचन अधिकारी / मुख्य निर्वाचन अधिकारी की बेवसाइट https://election.rajasthan.gov.in तथा https://voters.eci.gov.in पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटिड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

श्री श्याम फाल्गुन मेला 2026

दिनांक 21 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक

सुरक्षा व्यवस्था

- मेला क्षेत्र में कुल 10000 सुरक्षाकर्मी, होमगार्ड, सिक्योरिटी गार्ड एवं स्वयं सेवक
- कुल 22 पुलिस सेक्टर व 1 प्रशासनिक सेक्टर
- सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में 400 से अधिक CCTV कैमरों व 06 ड्रोन से निगरानी
- 14 दर्शन कतारों में DFMD व बैगेज स्कैनर मशीन से सुरक्षा जाँच
- 20 पुलिस व प्रशासन सहायता केन्द्र

सफाई व्यवस्था

- सफाई व्यवस्था हेतु 600 सफाई कर्मी एवं कचरा निस्तारण हेतु 30 ट्रेक्टर व ट्रॉली, 10 ऑटो टीपर जिनकी 24x7 सेवायें
- 500 अस्थायी शौचालयों व 10 सुलभ कॉम्प्लेक्स व 200 कैमिकल टॉयलेट व 100 यूरिनल की व्यवस्था

रोशनी व्यवस्था

- 41 स्थानों पर अस्थायी अतिरिक्त विद्युत कनेक्शन तथा 35 साउंडप्रूफ जनरेटरों की व्यवस्था।

पेयजल व्यवस्था

- पर्याप्त पेयजल व्यवस्था एक करोड़ से अधिक पानी के पाऊच, 20 पानी के टेंकर, 2000 लीटर क्षमता की 25 पानी की टंकियों व 06 स्थानों पर जल मंदिर

चिकित्सा सुविधा

- 16 मेडिकल कैम्पस, 3 कंटीजेन्सी अस्पताल लखदातार ग्राउण्ड निकास, जनता क्लिनिक, लामिया PHC जिसमें निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, उपचार एवं जाँच व्यवस्था 24x7 रहेगी
- 31 एम्बुलेंस कि व्यवस्था 24x7 रहेगी

सुगम व सुलभ आवागमन

कुल 450 बसें, 62 ट्रेन व 10 मेला स्पेशल ट्रेन, 50 शटल बस एवं 400 ई-रिक्शा

- जयपुर सीकर हाईवे से आने वाले छोटे वाहन शाहपुरा होते हुए 52 बीघा पार्किंग में प्रवेश और मण्डा रोड़ से निकास
- जयपुर-सीकर हाईवे से आने वाले बड़े वाहन यथा कॉन्ट्रेक्ट बस, ट्रेक्टर-ट्रॉली व मिनी बस पलसाना रोड़ से होते हुए सांवलपुरा पार्किंग स्थल तक व निकास अलौदा गोवटी रोड़
- जयपुर रेनवाल रोड़ से आने वाले सभी प्रकार के वाहन सीतारामपुरा जोहड़ी पार्किंग स्थल तक
- रींगस से खाटू रोड़ केवल पैदयात्री मार्ग। इस रोड़ से सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबन्धित (No Vehicle Zone)
- नोटः सभी पार्किंग निःशुल्क

नोटः नगर पालिका के पास रैन बसेरा कि व्यवस्था

- सांकेतिक गुब्बारों के जरिए श्याम भक्तों को मेला-व्यवस्थाओं की जानकारी (पार्किंग, अस्पताल, मेला ग्राउन्ड व अन्य)

मंदिर दर्शन व्यवस्था

- रींगस रोड डायवर्जन से चारण खेत होते हुए लखदातार ग्राउण्ड से मंदिर
- मांगीराम धर्मशाला से सैलानियों की ढाणी होते हुए लखदातार ग्राउण्ड से मंदिर
- जयपुर रेनवाल से आने वाले भक्तगण सीतारामपुरा जोहड़ी होते हुए चारण खेत लखदातार ग्राउण्ड से मंदिर

विशेष सूचना

1. मेला अवधि में वी.आई.पी. दर्शन की सुविधा पूर्णतः बन्द रहेगी।
2. डी.जे. पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा।
3. इत्र की शीशी व काँटेदार फूल मंदिर में साथ लेकर आना वर्जित है।
4. निशान/ध्वजा 8 फिट से अधिक ऊँचाई की नहीं हो।
5. किसी भी वाहन को पार्किंग से खाटू कस्बे में आने की अनुमति नहीं होगी।

खाटू कस्बा मेला अवधि में नो-व्हीकल जोन घोषित।

भक्तों की राह सुगम और सुलभ करने के लिए मंदिर प्रन्यास एवं प्रशासन की ओर से नवाचार

मेले से संबंधित सभी जानकारी के लिए

QR कोड Scan करें

शक्ति सिंह चौहान (अध्यक्ष)

मानवेन्द्र सिंह चौहान (मंत्री)

रवि सिंह चौहान (कोषाध्यक्ष)

सदस्य:- गोपाल सिंह चौहान, कालू सिंह चौहान, इन्द्र सिंह चौहान, राजवेन्द्र सिंह चौहान

श्री श्याम मंदिर कमेटी(रजि.) खाटूश्याम जी, जिला सीकर (राज.)

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा